दैनिक
बुद्ध का संदेश
हिन्दी समाचार पत्र
एक विश्वास....
सिद्धार्थनगर
बुधवार , 22 अप्रैल 2026
वर्ष: 13 अंक : 124 पृष्ठ: 8
आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया
लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, रामपुर, रायबरेली, सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित ।
सम्पादक : राजेश शर्मा
दैनिक बुद्ध का संदेश 8795951917, 9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com
उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

संभल में बड़ी कार्रवाई : ग्राम सभा भूमि से हटे अवैध कब्जे, लेंड बैंक बढ़ाने पर जोर

संभल। योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर सार्वजनिक जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराने का अभियान तेज करते हुए जिला प्रशासन ने दो गांवों में बड़ी कार्रवाई की। आरक्षित श्रेणी की ग्राम सभा भूमि से अवैध निर्माण हटाकर जमीन को कब्जा मुक्त कराया गया। तहसील संभल के ग्राम विछोली में गाटा संख्या 1240 (खाद के गड्ढे हेतु आरक्षित) और 1242 (पशुचर भूमि) पर अवैध रूप से इमामबाड़ा और ईदगाह का निर्माण किया गया था। इस मामले में विधिक प्रक्रिया पूरी करते हुए 31 जनवरी 2026 को तहसीलदार न्यायालय ने बेदखली का आदेश दिया था। अपील न होने पर प्रशासन ने मौके पर पहुंचकर निर्माण हटवा दिया। इसी तरह ग्राम मुबारकपुर बन्द में गाटा संख्या 623 और 630 पर मस्जिद और मदरसे के अवैध निर्माण की शिकायत पर जांच की गई। संबंधित पक्षों को पहले स्वयं निर्माण हटाने का अवसर दिया गया, लेकिन संसाधनों के अभाव में उन्होंने प्रशासन से मदद मांगी। इसके बाद प्रशासन की मौजूदगी में अवैध निर्माण हटाया गया।

जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र पैंसिया ने बताया कि पूरी कार्रवाई धारा 67, राजस्व अभिलेखों और न्यायालय के आदेश के आधार पर की गई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि ग्राम सभा, पशुचर, खेल मैदान व अन्य सार्वजनिक भूमि पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। प्रशासन ने कहा कि पहले संबंधित पक्षों को पूरा अवसर दिया जाता है, उसके बाद ही कार्रवाई की जाती है। जिले में अतिक्रमण के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और निर्धारित समयसीमा के भीतर सभी प्रक्रियाएं पूरी की जाएंगी।

आरटीई के तहत 1 लाख से अधिक बच्चों को निजी स्कूलों में प्रवेश, गरीब परिवारों को मिली नई उम्मीद

लखनऊ। शिक्षा का अधिकार अधिनियम (त्ज्म्) के तहत उत्तर प्रदेश में वर्ष 2026–27 के लिए अब तक 1,03,439 बच्चों का निजी स्कूलों में नामांकन सुनिश्चित किया गया है। योगी आदित्यनाथ सरकार की इस पहल से आर्थिक रूप से कमजोर और वंचित परिवारों के बच्चों को बेहतर शिक्षा का अवसर मिल रहा है। प्रदेश में लखनऊ, वाराणसी, बुलंदशहर और बदायूं जनपद नामांकन में आगे हैं। आंकड़ों के अनुसार लखनऊ में 7,952, वाराणसी में 4,957, बुलंदशहर में 4,154 और बदायूं में 3,599 बच्चों का प्रवेश कराया गया है। इससे साफ है कि अभिभावकों का भरोसा योजना पर लगातार बढ़ रहा है। इस योजना का सबसे अधिक लाभ समाज के अंतिम पायदान पर खड़े परिवारों को मिला है, जहां पहले अच्छी शिक्षा केवल सपना थी। अब इन बच्चों को निजी विद्यालयों में पढ़ाई का अवसर मिल रहा है, जिससे समान शिक्षा और सामाजिक न्याय की दिशा में मजबूत कदम बढ़ा है। सरकार ने पूरी प्रक्रिया को ऑनलाइन और पारदर्शी बनाया है, जिससे पात्र बच्चों को बिना किसी भेदभाव के लाभ मिल रहा है। बेसिक शिक्षा विभाग के अनुसार जुलाई तक चलने वाली नामांकन प्रक्रिया में यह संख्या और बढ़ने की संभावना है।

कानपुर में पांडुलिपियों का होगा डिजिटलीकरण, ज्ञान परंपरा को मिलेगी नई पहचान

कानपुर। योगी आदित्यनाथ सरकार ने भारतीय ज्ञान परंपरा के संरक्षण और वैश्विक स्तर पर प्रसार के उद्देश्य से "ज्ञान भारतम् मिशन" को मिशन मोड में आगे बढ़ाना शुरू कर दिया है। इसी क्रम में कानपुर में जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में बैठक कर प्राचीन पांडुलिपियों के सर्वेक्षण, दस्तावेजीकरण और डिजिटलीकरण की योजना बनाई गई। बैठक में बताया गया कि मंदिरों, मठों, आश्रमों, संस्कृत पाठशालाओं, पुस्तकालयों और निजी संग्रहों में सदियों पुरानी पांडुलिपियां सुरक्षित हैं। इनमें धर्म, दर्शन, आयुर्वेद, ज्योतिष, इतिहास और साहित्य से जुड़ा बहुमूल्य ज्ञान निहित है, जिसे अब आधुनिक तकनीक के माध्यम से संरक्षित किया जाएगा। इसके बाद संस्कृति विभाग की विशेषज्ञ टीम उनका डिजिटलीकरण सुनिश्चित करेगी। जिलाधिकारी ने कहा कि यह पहल केवल धरोहर संरक्षण तक सीमित नहीं है, बल्कि डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से इसे नई पीढ़ी और वैश्विक शोध समुदाय तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम बनेगी। डिजिटल होने के बाद देश–विदेश के शोधकर्ता इनका अध्ययन कर सकेंगे। सरकार केवल उनके संरक्षण और डिजिटलीकरण की प्रक्रिया पूरी करेगी। यह पहल प्रदेश में सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और ज्ञान आधारित समाज के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

खरगे के बयान पर बवाल : "मोदी आतंकवादी हैं" टिप्पणी से गरमाई राजनीति, बाद में दी सफाई

नई दिल्ली/चेन्नई। मल्लिकार्जुन खरगे के एक बयान को लेकर सियासी विवाद खड़ा हो गया है। उन्होंने चेन्नई में मीडिया से बातचीत के दौरान नरेंद्र मोदी पर तीखी टिप्पणी करते हुए कहा कि "वे आतंकवादी हैं", जिसके बाद राजनीतिक माहौल गर्म हो गया। खरगे ने ।ै।क्डज्ञ पर निशाना साधते हुए कहा कि अन्नादुरई की विचारधारा का

दावा करने वाली पार्टी कैसे पीएम मोदी के साथ जा सकती है। उन्होंने आरोप लगाया कि एआईएडीएमके अब भाजपा की "मूक गुलाम" बन चुकी है और राज्य के हितों की रक्षा नहीं कर पा रही। विवाद बढ़ने पर खरगे ने अपने बयान पर सफाई देते हुए कहा कि उनका आशय प्रधानमंत्री को "आतंकवादी" कहना नहीं था, बल्कि यह कहना था कि वे लोगों और राजनीतिक दलों को "डराते" हैं। उन्होंने कहा कि उनके शब्दों को गलत तरीके से पेश किया गया। खरगे ने आगे इलेक्शन कमीशन ऑफ इंडिया पर भी सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि वह भाजपा के प्रभाव में काम कर रहा है। साथ ही उन्होंने ईडी, आयकर और सीबीआई जैसी एजेंसियों के दुरुपयोग का भी आरोप लगाया। इसके अलावा उन्होंने महिला आरक्षण विधेयक को लागू करने में देरी पर भी सवाल उठाया और कहा कि कांग्रेस ने इसका समर्थन किया था, लेकिन अब तक इसे लागू नहीं किया गया।

जनता दर्शन में सीएम योगी ने सुनीं 200 लोगों की समस्याएं, त्वरित समाधान का भरोसा

गोरखपुर। योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दौरान लगातार दूसरे दिन गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में करीब 200 लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। गोरखनाथ मंदिर परिसर स्थित महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री स्वयं लोगों के पास पहुंचे, प्रार्थना पत्र लेकर उनकी समस्याओं का संज्ञान लिया और संबंधित अधिकारियों को निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि हर शिकायत का समयबद्ध, निष्पक्ष और संतोषजनक समाधान सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री ने लोगों को आश्वस्त करते हुए कहा, "घबराइए मत, सरकार आपकी हर समस्या का प्रभावी समाधान करेगी।" उन्होंने सरकार सहायता उपलब्ध

अधिकारियों को जनता की समस्याओं पर संवेदनशीलता के साथ त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए। जनता दर्शन में कई लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता की मांग लेकर पहुंचे। इस पर सीएम योगी ने कहा कि धन के अभाव में किसी का इलाज नहीं रुकेगा और जरूरतमंदों के लिए शीघ्र इस्टीमेट बनवाकर कराएगी। इसके अलावा आवास की समस्या लेकर पहुंची महिलाओं को मुख्यमंत्री ने भरोसा दिलाया कि पात्र लोगों को प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री आवास योजनाओं के तहत पक्का घर उपलब्ध कराया जाएगा। अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि किसी भी पात्र व्यक्ति को योजना से वंचित न रखा जाए।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बाबा साहेब अम्बेडकर की जयंती पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया नमन

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंगलवार को बोर्ड ऑफिस स्थित बाबा साहेब डॉ. अम्बेडकर चौराहे पर भारत रत्न श्रृद्धेय बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की 136वीं जयंती पर बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बाबा साहेब के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आधुनिक भारत के निर्माण में डॉ. अम्बेडकर का योगदान अविस्मरणीय है, अतुलनीय है। उन्होंने देश में समतामूलक समाज के निर्माण के लिए भारतीय संविधान की रचना कर इसमें सबके अधिकारों की सुरक्षा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बाबा साहेब के सम्मान में पुष्पांजलि कार्यक्रम में मौजूद सबके समक्ष भारतीय संविधान की मूल उद्देश्यिका का वाचन कर श्डॉ. भीमराव अम्बेडकर अमर रहेश के नारे लगाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा साहेब डॉ. अम्बेडकर आजीवन वंचितों, पीड़ितों, शोषितों और उपेक्षितों के सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक और राजनैतिक सशक्तिकरण की प्रखर आवाज थे। हमारी सरकार संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ. अम्बेडकर की समरसता और समानता की भावना को केन्द्र में रखकर लगातार काम कर रही है। बाबा साहेब ने हमें समानता का अधिकार दिलाया और अब हम प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में ष्सबका साथ–सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयासष के पथ पर आगे बढ़ते हुए बाबा साहेब के स्वप्न को साकार कर रहे हैं। देश सबसे पहले है, हम सब सामाजिक समरसता के लिए मिल–जुलकर, एकजुट प्रयास करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारी सरकारों ने हमेशा ही बाबा साहेब का सम्मान किया। भोपाल में उड़ान पुल बना, तो उसे हमने बाबा साहेब का नाम दिया। बाबा साहेब की जन्मभूमि महू में भव्य स्मारक बनवाया। बाबा साहेब के नाम पर कामधेनु योजना शुरू की। सागर के अभ्यारण्य को बाबा साहेब का नाम दिया। बाबा साहेब के नाम पर आर्थिक कल्याण योजना शुरू की। हम ग्वालियर में भी डॉ. अम्बेडकर धाम बनाने जा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि केन्द्र सरकार ने बाबा साहेब

की स्मृतियों को चिरस्थायी बनाये रखने के लिए उनकी जन्म भूमि (महू– डॉ. अम्बेडकर नगर, म.प्र.), शिक्षा भूमि (लंदन), दीक्षा भूमि (नागपुर, महाराष्ट्र), महापरिनिर्वाण भूमि (दिल्ली) एवं चौत्य भूमि (मुम्बई) को पंचतीर्थ के रूप में विकसित कर यहां स्थाई निर्माण कार्य कराये हैं, जो बाबा साहेब के संघर्ष एवं आदर्शों का प्रतिनिधित्व करते हैं। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब ने स्त्री शिक्षा, इनके नैसर्गिक अधिकारों के संरक्षण और इनके सामाजिक आर्थिक उत्थान के लिए विशेष प्रयास किये। उन्हीं के बताये मार्ग पर चलकर हमारा देश आज महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक बड़ा क्रांतिकारी कदम उठाने की ओर आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार देश की संसद में श्नारी शक्ति वंदन अधिनियमश के पूर्ण क्रियान्वयन को लेकर ऐतिहासिक चर्चा कराने जा रही है। इस अधिनियम की मंशा देश की सभी महिलाओं को संसद और विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देना है। यह 21वीं शताब्दी में देश की आधी आबादी को पूरा हक देने की दिशा में उठाया गया सबसे बड़ा और कारगर कदम होगा, जो भारतीय गणतांत्रिक राष्ट्र की विधायिका व्यवस्था में महिलाओं का राजनीतिक नेतृत्व बढ़ाएगा। पुष्पांजलि कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में नागरिकगण उपस्थित थे।

देशभर में भीषण गर्मी का कहर, कई राज्यों में लू का अलर्ट

नई दिल्ली। देश के अधिकांश हिस्सों में इस समय मौसम के दोहरे तेवर देखने को मिल रहे हैं। उत्तर भारत के बड़े इलाके भीषण लू की चपेट में हैं, जबकि कुछ क्षेत्रों में आंधी, तूफान और बारिश की चेतावनी जारी की गई है। मौसम विभाग (भारत मौसम विज्ञान विभाग) के अनुसार अकोला देश का सबसे गर्म शहर रहा, जहां तापमान 45 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं प्रयागराज में 44.4 डिग्री के साथ उत्तर प्रदेश का सबसे अधिक तापमान रिकॉर्ड हुआ। मध्य प्रदेश में पहली बार "वॉर्म नाइट" का अलर्ट जारी किया गया है। भोपाल समेत 9 शहरों में रात के समय भी गर्मी का असर बना रहेगा। इसके अलावा इंदौर, ग्वालियर, उज्जैन और जबलपुर में तापमान 42 डिग्री के पार रहने का अनुमान है, जबकि डिंडौरी में लू का अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग के अनुसार अगले 4–5 दिनों तक उत्तर प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, पंजाब, मध्य प्रदेश, झारखंड, ओडिशा और पश्चिम बंगाल के कई हिस्सों में लू चलने की संभावना है। वहीं पूर्वोत्तर राज्यों में गरज–चमक, तेज हवाओं और बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। कोटा में गर्मी से राहत के लिए सड़कों पर पानी का छिड़काव किया गया। दिल्ली–एनसीआर में 21 से 24 अप्रैल के बीच तापमान 40 से 42 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है, जबकि 22 अप्रैल को लू चलने की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग ने लोगों को दोपहर के समय बाहर निकलने से बचने, पर्याप्त पानी पीने और सावधानी बरतने की सलाह दी है।

गोरखपुर में 491 करोड़ की लागत से बनेगा वानिकी एवं औद्यानिकी विश्वविद्यालय

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई प्रदेश कैबिनेट की बैठक में गोरखपुर में बनने वाले 'उत्तर प्रदेश वानिकी एवं औद्यानिकी विश्वविद्यालय' को मंजूरी दी गई। कैबिनेट ने इसके लिए उत्तर प्रदेश वानिकी एवं औद्यानिकी विश्वविद्यालय अध्यादेश–2026 के प्रख्यापन को स्वीकृति प्रदान की है। 491 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से यह विश्वविद्यालय कैम्पियरगंज क्षेत्र में लगभग 50 हेक्टेयर भूमि पर स्थापित किया जाएगा। योगी सरकार वानिकी एवं औद्यानिकी विश्वविद्यालय के लिए इस वर्ष प्रस्तुत प्रदेश के बजट में भी 50 करोड़ रुपए पास कर चुकी है। गोरखपुर के इस पांचवें विश्वविद्यालय में वानिकी, औद्यानिकी, वन्य जीव संरक्षण, जलवायु परिवर्तन, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, एग्रोफॉरेस्ट्री, फल एवं बागवानी सहित कई आधुनिक विषयों में बीएससी, एमएससी, पीएचडी और डिप्लोमा पाठ्यक्रम संचालित किए जाएंगे। इसका उद्देश्य वनावरण बढ़ाना, जैव विविधता संरक्षण को मजबूत करना, किसानों और छात्रों को आधुनिक प्रशिक्षण देना तथा कृषि और पर्यावरण के क्षेत्र में शोध को बढ़ावा देना है। इस फैसले से प्रदेश में हरित विकास, खाद्य सुरक्षा और पर्यावरण संतुलन को नई दिशा मिलने की उम्मीद है। वानिकी एवं औद्यानिकी विश्वविद्यालय की स्थापना के साथ ही वन एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए योगी सरकार और गोरखपुर के नाम एक और बड़ी उपलब्धि दर्ज हो जाएगी। इसके पहले सरकार ने दुनिया के पहले राजगिद्ध (जटायु) संरक्षण केंद्र की स्थापना गोरखपुर में ही की है। 6 सितंबर 2024 को कैम्पियरगंज में दुनिया के पहले राजगिद्ध जटायु (रेड हेडेड वल्चर) संरक्षण एवं प्रजनन केंद्र के उद्घाटन अवसर पर सीएम योगी ने जटायु संरक्षण केंद्र के समीप ही वानिकी विश्वविद्यालय खोलने की घोषणा की थी। अब इसे कैबिनेट की भी मंजूरी मिल गई है। यह उत्तर भारत का पहला और पूरे देश का दूसरा वानिकी विश्वविद्यालय होगा। इस विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए गोरखपुर वन प्रभाग ने जटायु संरक्षण केंद्र के समीप ही 50 हेक्टेयर भूमि चिह्नित कर प्रक्रियात्मक तैयारी तेज कर दी है। गोरखपुर के प्रभागीय वनाधिकारी (डीएफओ) विकास यादव का कहना है कि वानिकी एवं औद्यानिकी विश्वविद्यालय में वानिकी के अलावा कृषि वानिकी, सामाजिक वानिकी और औद्यानिक के भी डिग्री और डिप्लोमा कोर्स संचालित कराने की योजना है ताकि बड़ी संख्या में युवाओं के सामने नौकरी और रोजगार के व्यापक अवसर उपलब्ध हो सकें। उन्होंने बताया कि कैबिनेट से मंजूरी मिलने के बाद अब शिलान्यास की तैयारी और तेज की जाएगी।

सिद्धार्थनगर में सीएम डैशबोर्ड की समीक्षा बैठक, योजनाओं में तेजी लाने के निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। कलेक्ट्रेट सभागार में मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री डैशबोर्ड (विकास कार्यों) की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में विभिन्न सरकारी योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। सीडीओ ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, पीएम कुसुम योजना, छात्रवृत्ति, पेंशन सहित अन्य योजनाओं में लाभार्थियों को समय पर लाभ दिलाने के निर्देश दिए। विद्युत विभाग को निर्धारित समय में ट्रांसफार्मर बदलने, शेड्यूल के अनुसार बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने और स्कूलों के ऊपर से हाईटेंशन तार हटाने को कहा गया। पीएम सूर्य घर योजना में प्रगति कम पाए जाने पर सभी अधिकारियों को लक्ष्य पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। स्वयं सहायता समूहों के गठन और उन्हें रिवॉल्विंग फंड उपलब्ध कराने पर भी जोर दिया गया। छात्रवृत्ति योजनाओं में संस्थानों से समन्वय बनाकर लक्ष्य पूरा करने को कहा गया। सीएमआईएस पोर्टल पर लंबित परियोजनाओं को तेजी से पूरा करने, धनराशि खर्च होने पर दूसरी किश्त की मांग भेजने और जल जीवन मिशन के तहत ओवरहेड टैंक निर्माण व जलापूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। सड़कों की मरम्मत भी सुनिश्चित करने को कहा गया। इसके अलावा फार्मर रजिस्ट्री, जननी सुरक्षा योजना में समय पर भुगतान, और सीएम डैशबोर्ड पर समय से डेटा फीडिंग करने के निर्देश दिए गए। बैठक में विभिन्न विभागों की योजनाओं की समीक्षा करते हुए जनपद की रैंकिंग सुधारने पर जोर दिया गया। बैठक में सीएमओ डॉ. रजत कुमार चौरसिया सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

होमगार्ड्स परीक्षा 2025 को लेकर डीएम–एसपी ने परीक्षा केंद्रों का किया निरीक्षण

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। उ0प्र0 होमगार्ड्स परीक्षा 2025 के मद्देनजर जिलाधिकारी श्री शिवशरणप्पा जीएन व पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन ने जनपद के विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड, लखनऊ के तत्वावधान में आयोजित परीक्षा के लिए डीएम ने जवाहर लाल नेहरू स्मारक इंटर कॉलेज नौगढ़ तथा जय किसान इंटर कॉलेज सकतपुर सनई केंद्रों का भ्रमण किया। निरीक्षण के दौरान बिजली व्यवस्था, सीसीटीवी निगरानी, बैठने की व्यवस्था, स्वच्छता व अन्य सुविधाओं का गहन जायजा लिया गया। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि परीक्षा निष्पक्ष, शांतिपूर्ण और पारदर्शी ढंग से कराई जाए। साथ ही सभी तैयारियां समय से पूरी करने और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत रखने पर जोर दिया। उन्होंने केंद्रों पर तैनात अधिकारियों व कर्मचारियों को अपने दायित्व पूरी जिम्मेदारी और सतर्कता से निभाने के निर्देश दिए, ताकि परीक्षा प्रक्रिया सुचारु रूप से संपन्न हो सके।

आदि शंकराचार्य जयंती पर 'पहल' संस्था का भव्य आयोजन, 1000 महिलाओं को मिली सिलाई मशीनें

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। आदि शंकराचार्य के प्राकट्य दिवस के अवसर पर "पहल" संस्था द्वारा महिला सशक्तिकरण को समर्पित एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान संस्था से जुड़ी

1000 महिलाओं को सिलाई मशीनें वितरित की गईं, जिससे उन्हें आत्मनिर्भर बनने में सहायता मिल सके। कार्यक्रम में उद्योगपति रश्मि चतुर्वेदी की गरिमामयी उपस्थिति रही। उन्होंने इस पहल की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायक बताया। इस अवसर पर "पहल" संस्था के संस्थापक मनीष मिश्रा ने घोषणा की कि संस्था से जुड़ी प्रत्येक महिला के बैंक खाते में 15 जून से प्रतिमाह 1000 रुपये की धनराशि प्रदान की जाएगी। इसे महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। इसके साथ ही उन्होंने जानकारी दी कि 25 मई को बस्ती में 2000 महिलाएं एक साथ "राम जी का सोहर" गाकर गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में नाम दर्ज कराने का प्रयास करेंगी। यह कार्यक्रम नारी शक्ति, आत्मनिर्भरता और सांस्कृतिक गौरव का सशक्त उदाहरण बनकर सामने आया।

प्रसव के दौरान बच्चे का सिर धड़ से अलग हो जाने के मामले में एसपी को दिया पत्र: कार्रवाई की मांग

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। कलवारी थाना क्षेत्र के मुरादपुर निवासी दुर्गा प्रसाद पुत्र रिखई ने पुलिस अधीक्षक को पत्र देकर प्रसव के दौरान बच्चे का सिर धड से अलग होकर दो हिस्से में बट जाने के मामले में दोषियों के विरूद्ध कार्रवाई की मांग किया है। एसपी को दिये पत्र में दुर्गा प्रसाद ने कहा है कि उनकी पुत्र वधू प्रेमा देवी पत्नी नीरज कुमार जो लगभग सात माह की गर्भवती थी और उसके पेट में दर्द होने पर गत 8 अप्रैल एम्बुलेंस से उसे लेकर कुदरहा विकास खण्ड क्षेत्र के सामुदयिक स्वास्थ्य केन्द्र बनहरा पहुंचे। एम्बुलेन्स में ही अस्पताल की नर्स कुसुम ने आकर ट्रीटमेन्ट शुरू किया और दर्द का इंजेक्शन लगायी जोर जबरजस्ती से बच्चा पैदा करने की कोशिश करने लगी कि बच्चा 2 टुकडो में होकर शरीर से निकला लेकिन सिर अन्दर ही रह गया। उसके बाद रक्तश्राव तेज हो जाने पर नर्स कुसुम घबरा गयी और बगल के मैक्स हास्पिटल में भेजवायी जहां मरीज घंटो तड़फती रही। उसके बाद उन लोगों ने नर्स से रेफर कर कागज बनाने को कहा तो बना नहीं रही थी। काफी वाद विवाद होने पर तब रिफर का कागज कैली अस्पताल बस्ती के लिए बनाया । कैली अस्पताल में प्रेमा देवी का इलाज चल रहा है। दुर्गा प्रसाद ने दोषी नर्स के साथ ही जिम्मेदार लोगों के विरूद्ध कार्रवाई की मांग किया है।

भीषण गर्मी में पशुओं की सेहत पर खतरा, पशुपालन वैज्ञानिक सुनील कुमार सिंह की सलाह

दैनिक बुद्ध का संदेश

भनवापुर / सिद्धार्थनगर। जिले में पड़ रही भीषण गर्मी और लू का असर अब पशुओं पर भी साफ दिखाई दे रहा है। तेज तापमान के कारण पशुओं का स्वास्थ्य प्रभावित हो रहा है, जिससे दूध उत्पादन में गिरावट और बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। कृषि विज्ञान केंद्र, सोहना के पशुपालन वैज्ञानिक सुनील कुमार सिंह ने पशुपालकों को सावधान करते हुए गर्मी से बचाव के लिए महत्वपूर्ण सुझाव दिए हैं। पानी का रखें विशेष ध्यान उन्होंने बताया कि पशुओं को दिन में कम से कम 3 से 4 बार स्वच्छ और ताजा पानी पिलाना चाहिए। पानी को छायादार स्थान पर रखें, ताकि वह अधिक गर्म न हो। पानी में थोड़ा नमक या गुड़ मिलाना भी फायदेमंद हो सकता है। छाया और हवादार स्थान जरूरी पशुओं को हमेशा छायादार और हवादार जगह पर रखें। यदि

बाड़े में टीन की छत है, तो उस पर पुआल या घास डालकर गर्मी कम की जा सकती है। साथ ही, बाड़े के आसपास गीली बोरियां लटकाने से भी ठंडक बनी रहती है। नहलाना और सफाई रखें नियमित गर्मी के मौसम में पशुओं को दिन में कम से कम दो बार (सुबह और शाम) ताजे पानी से नहलाना चाहिए। इससे उनके शरीर का तापमान नियंत्रित रहता है और लू से बचाव होता है। खान–पान में बदलाव करें गर्मी में पशुओं को हरा चारा अधिक मात्रा में दें। चराई के लिए उन्हें सुबह या शाम के समय ही बाहर ले जाएं। दोपहर के समय भारी दाना देने से बचना चाहिए। लू के लक्षण पहचानें यदि पशु मुंह खोलकर हांफ रहा हो, लार गिरा रहा हो या सुस्त दिखाई दे रहा हो, तो तुरंत पशु चिकित्सक से संपर्क करें। जरूरत पड़ने पर पशु के माथे पर ठंडी पट्टी रखें। भीषण गर्मी के इस समय में पशुपालकों को विशेष सतर्कता बरतने की आवश्यकता है। सही देखभाल से पशुओं को स्वस्थ रखा जा सकता है और नुकसान से बचा जा सकता है।

भ्रम फैलाकर स्मार्ट मीटर लगाये जाने के विरोध में ग्रामीणों ने अधीक्षण अभियन्ता कार्यालय पर दिया धरना

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। भ्रामक सूचना देकर स्मार्ट बिजली मीटर लगाये जाने को लेकर ग्रामीणों का गुस्सा भड़क गया। मंगलवार को साऊंघाट विकास खण्ड क्षेत्र के कुर्थियां के नागरिकों ने किसान नेता उदयपाल पटेल, ग्राम प्रधान इरफान अहमद के नेतृत्व में अधीक्षण अभियन्ता विद्युत वितरण कार्यालय के समक्ष धरना दिया। ज्ञापन देकर मांग किया कि स्मार्ट मीटर को हटाकर पूर्व की भांति विद्युत आपूर्ति कराया जाय। धरने में भारतीय किसान यूनियन के प्रदेश सचिव दीवान चन्द पटेल, मण्डल उपाध्यक्ष जयराम वर्मा, जिलाध्यक्ष गौरीशंकर चौधरी, ब्रम्हदेव चौधरी, आज्ञाराम चौधरी, पारसनाथ, रामशब्द चौधरी, जगदीश चौधरी के साथ ही बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल रहे। ज्ञापन देने के बाद किसान नेता उदयपाल पटेल, ग्राम प्रधान इरफान अहमद ने बताया कि विद्युत विभाग के कर्मचारियों ने कुर्थियां गाँव के सभी निवासियों को झूठी और भ्रामक सूचना देकर जबरदस्ती से स्मार्ट मीटर स्थापित करा दिया। कहा कि यदि अभी स्मार्ट मीटर नहीं लगवाओगे तो भविष्य में दस हजार रूपया जुर्माना लगेगा। यह सूचना पूरी तरह गलत, झूठ और भ्रामक है। किसी को भी कोई लिखित आदेश दिया नहीं गया है, न ही कोई आधिकारिक अधिसूचना है। कर्मचारियों ने यह भी कहा कि स्मार्ट मीटर से बिल में कोई बदलाव नहीं होगा, परंतु मीटर लगने के तुरंत बाद बिल बढ़ गए। यह धोखाधड़ी है। इन स्मार्ट मीटरों में त्रुटि है या इन्हें गलत तरीके से स्थापित किया गया है। वे बार–बार बिजली को बिना किसी सूचना के स्वचालित रूप से काट देते हैं, जिससे कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। यह उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 और भारतीय दंड संहिता का स्पष्ट उल्लंघन है। अधीक्षण अभियन्ता विद्युत को दिये पत्र में सभी अनावश्यक स्मार्ट मीटरों को तत्काल प्रभाव से हटाये जाने, विद्युत आपूर्ति को तुरन्त पूर्व की भांति स्थापित किया जाने, स्मार्ट मीटरों के कारण हुए अतिरिक्त बिलों को माफ किये जाने, गलत सूचना देने वाले विभागीय अधिकारियों, कर्मचारियों के विरूद्ध कार्रवाई, भविष्य में किसी भी निवासी को बिना पूर्व सूचना और लिखित अनुमति के ऐसे अनावश्यक उपकरण न लगाने के लिए लिखित निर्देश दिए जाने आदि की मांग शामिल है। धरना प्रदर्शन और ज्ञापन देने वालों में मुख्य रूप से शिवकुमार, इन्द्रावती, बाबूलाल, अरबाज, आकाश भारती, राधेश्याम, आकाश कन्नौजिया, शान्ती, ममता, तारामती, सिपाली, राजाराम, मीरा, रामचन्द्र, रेशमा, मंजू देवी, ऊषा भारती, अनिल कुमार, रामफेर, राम सूरत, गरिमा देवी, राम बहोर, रामकिशोर, अनीता, सुनीता, रफीकुन्निशां, फूलमती, सीताराम, गंगाराम, धर्मराज,मो. शाहिद, सुनील, ओम प्रकाश, राम प्रकाश, हरीराम, खुशबुन्निशां, सोनी, पप्पू, मालती देवी, वसीउल्लाह, मंजू देवी, गुजराती, राजेन्द्र के साथ ही बड़ी संख्या में लोग शामिल रहे।

दुष्कर्म, गर्भपात कराने के बाद शादी और मारपीट के मामले में एसपी से लगाया न्याय की गुहार

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। मंगलवार को गौर थाना क्षेत्र में एक युवती के साथ दुष्कर्म, गर्भपात कराने और मंदिर में विवाह के बाद घर से निकाल दिये जाने के मामले में पीड़िता और उसके पिता ने पुलिस अधीक्षक को पत्र देकर दोषियों के विरूद्ध कार्रवाई और अपने बेटी के जान माल के रक्षा की गुहार लगाया है। निषाद पार्टी संगठन के जिलाध्यक्ष संदीप निषाद ने कहा कि पीड़िता की स्थिति दयनीय है। स्थानीय गौर थाने पर उसकी सुनवाई नहीं हो रही है। न्याय न मिला तो मामले को उच्चाधिकारियों के संज्ञान में लाया जायेगा।पत्र में पीडिता ने कहा है कि गौर थाना क्षेत्र अइलाकला गांव के ही किशन पुत्र केशवराम ने उससे जबरिया दुष्कर्म कर सम्बन्ध बनाया। पुलिस के दबाव में बैडवा समय माता मंदिर पर विवाह हुआ किन्तु अब किसन और उसके पिता केशवराम, भाई जनकराम व भाभियां उर्मिला व गुडिया आदि ने उसे बुरी तरह से मारा पीटा और जान से मारने की धमकी देते हुये घर से भगा दिया। पीडिता और परिजनों ने इस सम्बन्ध मे गौर पुलिस द्वारा न्याय न मिलने पर पुलिस अधीक्षक को पत्र देकर दोषियों के विरूद्ध मुकदमा पंजीकृत कराकर कार्रवाई और अपने जान माल के रक्षा की गुहार लगाया है।

आंखों में एलर्जी? इन 5 घरेलू नुस्खों को आजमाने से मिल सकती है राहत

आंखों में एलर्जी होना एक आम समस्या है, जो किसी भी उम्र के व्यक्ति को प्रभावित कर सकती है। यह समस्या धूल, परागकण, जानवरों की फर या कुछ खाद्य पदार्थों से हो सकती है। एलर्जी के कारण आंखों में खुजली, लालिमा और सूजन हो सकती है। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे घरेलू नुस्खे बताते हैं, जिन्हें अपनाकर आप इस समस्या से राहत पा सकते हैं। ठंडे पानी से धोएं आंखें ठंडा पानी आंखों को ताजगी देता है और सूजन कम करता है। इसके लिए सुबह और शाम दो बार अपनी आंखों को हल्के हाथों से ठंडे पानी से धोएं। इससे आपकी आंखें साफ रहेंगी और एलर्जी के लक्षण भी कम होंगे। ध्यान रखें कि पानी साफ हो और किसी भी तरह के रसायनों से मुक्त हो। इस प्रक्रिया को नियमित रूप से अपनाने से आपको काफी आराम मिलेगा और आपकी आंखों की सेहत भी बेहतर होगी। खीरे के टुकड़े लगाएं: खीरा एक प्राकृतिक ठंडक देने वाला सब्जी है, जो आंखों की सूजन और जलन को कम करने में मदद करता है। इसके लिए दो पतले खीरे के टुकड़े काटकर फ्रिज में ठंडा करें, फिर इन्हें अपनी बंद आंखों पर 10–15 मिनट तक रखें। यह प्रक्रिया आपकी आंखों को आराम देती है और वे तरोताजा महसूस होंगी। नियमित रूप से ऐसा करने से आपकी आंखों की खूबसूरती बनी रहेगी और एलर्जी के प्रभाव भी कम होंगे। गुलाब जल का करें इस्तेमाल: गुलाब जल प्राकृतिक रूप से ठंडा और आरामदायक होता है, जो आंखों की जलन को कम करने में मदद करता है। इसके लिए एक साफ कपड़े को गुलाब जल में भिगोकर अपनी आंखों पर हल्के हाथों से मलें। इससे आपकी आंखें ताजगी महसूस करेंगी और एलर्जी के कारण होने वाली जलन भी कम होगी। ध्यान रखें कि गुलाब जल शुद्ध और बिना किसी रसायनों के बने होना चाहिए ताकि इसका प्रभाव बेहतर हो सके। टी बैग्स का करें उपयोग: टी बैग्स में मौजूद तत्व सूजन कम करने में मदद करते हैं। इसके लिए इस्तेमाल किए गए टी बैग्स को फ्रिज में ठंडा करें और फिर इन्हें अपनी बंद आंखों पर रखें। 10–15 मिनट तक रखने पर आपको काफी आराम मिलेगा। यह प्रक्रिया न केवल सूजन कम करती है बल्कि आंखों को तरोताजा भी बनाती है। नियमित रूप से ऐसा करने से आपकी आंखों की खूबसूरती बनी रहती है और एलर्जी के प्रभाव भी कम होते हैं। एलोवेरा जेल लगाएं एलोवेरा जेल में आरामदायक गुण होते हैं, जो आंखों की जलन को कम करने में सहायक होते हैं। इसके लिए ताजे एलोवेरा पत्ते से जेल निकालकर अपनी बंद आंखों पर हल्के हाथों से लगाएं। 10 मिनट बाद पानी से धो लें। यह प्रक्रिया न केवल सूजन कम करती है बल्कि आंखों को तरोताजा भी बनाती है। नियमित रूप से ऐसा करने से आपकी आंखों की खूबसूरती बनी रहती है और एलर्जी के प्रभाव भी कम होते हैं।

भीषण गर्मी में गैस संकट, उपभोक्ताओं की बढ़ी परेशानी

दैनिक बुद्ध का संदेश

भनवापुर/सिद्धार्थनगर। क्षेत्र में भारत गैस एजेंसी पर उपभोक्ताओं को इन दिनों भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। गैस सिलेंडर लेने के लिए लोगों को देर रात से ही लाइन में लगना पड़ रहा है, लेकिन इसके बावजूद समय पर सिलेंडर मिलना मुश्किल हो गया है। बताया जा रहा है कि देर रात से ही उपभोक्ताओं की लंबी कतार लगनी शुरू हो जाती है, जो चिलचिलाती धूप के बीच दोपहर तक बनी रहती है। हालात ऐसे हैं कि गैस गोदाम से लेकर सड़क किनारे तक सैकड़ों लोग सिलेंडर के लिए जूझते नजर आते हैं। कई उपभोक्ताओं ने बताया कि घंटों लाइन में खड़े रहने के बाद भी गैस मिलना सुनिश्चित नहीं होता, जिससे परेशानियां और बढ़ जाती हैं। उपभोक्ताओं का कहना है कि एजेंसी पर अक्सर गैस की कमी बनी रहती है। कई बार सिलेंडर खत्म हो जाता है और लोग निराश होकर खाली हाथ घर लौटने को मजबूर हो जाते हैं। खासकर दूर–दराज के गांवों से आने वाले लोगों को ज्यादा परेशानी झेलनी पड़ रही है। जिगना हबीबपुर निवासी रामकृपाल ने बताया कि 17 तारीख को गैस आने के बावजूद उन्हें सिलेंडर नहीं मिला। एजेंसी द्वारा 21 तारीख को आने को कहा गया, जिसके बाद वह सुबह 7 बजे से लाइन में लगे हुए हैं। नकथर, देवरिया की हजरुननिशा ने बताया कि वह रात 10 बजे से लाइन में खड़ी हैं और इससे पहले भी कई बार खाली हाथ लौट चुकी हैं। मनिकौरा निवासी जितेंद्र गुप्ता ने कहा कि 19 तारीख को वह वापस लौट गए थे और आज फिर से लाइन में लगना पड़ा है, लेकिन अब तक सिलेंडर मिलने की कोई गारंटी नहीं है। धंधरा निवासी अनिल ने बताया कि 2 दिन से आ रहा हूं सुबह आता हूं बहुत धूप होती है गैस नहीं मिला चला गया और आज दोबारा आया हूं लाइन में लगा हूं बोले हैं की गाड़ी आएगी तो गैस मिल जाएगी इस चिलचिलाती धूप में गैस के लिए लाइन में लगना मजबूरी है। मन्नीजोत निवासी सीमा मिश्रा ने बताया कि उन्होंने 7 अप्रैल को गैस बुकिंग कराई थी, लेकिन 21 तारीख तक भी सिलेंडर नहीं मिला। उन्होंने कहा कि अक्सर बच्चों को भेजना पड़ता है, लेकिन कई बार गैस खत्म हो जाती है और नंबर ही नहीं आ पाता। ग्रामीण उपभोक्ताओं का कहना है कि यदि गांवों में सिलेंडर की डिलीवरी की व्यवस्था शुरू कर दी जाए, तो उन्हें लंबी लाइन में खड़े होने से राहत मिल सकती है। हालांकि, एजेंसी की ओर से संसाधनों की कमी का हवाला देकर डिलीवरी नहीं की जा रही है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि गैस वितरण व्यवस्था को जल्द से जल्द दुरुस्त किया जाए, ताकि उपभोक्ताओं को समय पर सिलेंडर मिल सके और उन्हें इस तरह की परेशानियों से निजात मिल सके।

परशुराम जयंती पर डुमरियागंज में निकली भव्य शोभायात्रा, सांसद जगदंबिका पाल रहे मुख्य अतिथि

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर/डुमरियागंज। ग्राम सभा परसपुर बहेरिया में भगवान परशुराम की जयंती के अवसर पर भव्य शोभायात्रा निकालकर उत्साह और श्रद्धा के साथ समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में डुमरियागंज के सांसद जगदंबिका पाल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत भगवान परशुराम के चित्र पर माल्यार्पण और पुष्प अर्पित कर की गई। इसके बाद निकली शोभायात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु, युवा और ग्रामीण पारंपरिक वेशभूषा में शामिल हुए। शोभायात्रा गांव के विभिन्न मार्गों से होकर गुजरी, जहां जगह–जगह लोगों ने पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। पूरे क्षेत्र में भक्तिमय और उत्सव का माहौल देखने को मिला। अपने संबोधन में सांसद जगदंबिका पाल ने भगवान परशुराम के जीवन और आदर्शों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनका जीवन धर्म, सत्य, साहस और न्याय का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन समाज में एकता, भाईचारा और सांस्कृतिक जागरूकता को मजबूत करते हैं। इस मौके पर सच्चिदानंद पांडे, लव कुश पांडे, अरुण शुक्ला, महेंद्र शुक्ला, दुर्गेश पांडे, विश्वनाथ पांडे, दीनानाथ दुबे, मकसूदन पांडे, दिलीप पांडे, राजेश पांडे सहित सैकड़ों श्रद्धालु और क्षेत्र के गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। अंत में आयोजकों ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

शोहरतगढ़ में सभासदों का शपथ ग्रहण व जिला अध्यक्ष सम्मान समारोह सम्पन्न

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर/शोहरतगढ़। आदर्श नगर पंचायत शोहरतगढ़ में मनोनीत सभासदों के शपथ ग्रहण समारोह एवं नव नियुक्त जिला अध्यक्ष के सम्मान में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डुमरियागंज के सांसद जगदंबिका पाल शामिल हुए। समारोह के दौरान नव–नियुक्त सभासदों को शपथ दिलाई गई तथा जिला अध्यक्ष दीपक मौर्य का जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं द्वारा सम्मान किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, जनप्रतिनिधि और कार्यकर्ता मौजूद रहे। अपने संबोधन में सांसद जगदंबिका पाल ने महिला सशक्तिकरण पर जोर देते हुए नरेंद्र मोदी सरकार की योजनाओं के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि सरकार का

का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि महिलाओं को 33: आरक्षण देने की पहल ऐतिहासिक है, जिससे उनकी राजनीतिक भागीदारी और सशक्त होगी। सांसद ने प्रधानमंत्री आवास योजना और उज्ज्वला योजना जैसी योजनाओं के माध्यम से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने लक्ष्य महिलाओं को सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक हर क्षेत्र में अग्रणी बनाना है। कार्यक्रम के अंत में आयोजकों ने सभी अतिथियों और उपस्थित लोगों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर क्षेत्र के कई गणमान्य नागरिक व जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

अज्ञात कारणों से भूसा के मण्डीला में लगी आग

दैनिक बुद्ध का संदेश

उसका बाजार/सिद्धार्थनगर। मुकामी थाना क्षेत्र के मंगलवार को बगही गांव के टोला महनी में भूसा के मण्डीला में अज्ञात कारणों से आग लग गई जानकारी के अनुसार गेहूं के डंठल में पहले आग लगी लेकिन हवा इतनी तेज थी कि भूसा के मण्डीला तक जा पहुंचा जिसमें बेचन ,मिथुन चौरसिया और अनूप चौरसिया का भूसा का मंडीला जलकर राख हो गया। ग्रामीणों की मदद से पंपिंग सेट लगाकर आग पर काबू पाया गया वही पीड़ितों का कहना है कि अपने जानवरों के लिए भूसा इकट्ठा किए थे लेकिन आग लगने से भूसा का मण्डीला जल गया । थाना प्रभारी हरे कृष्ण उपाध्याय ने बताया कि अज्ञात कारणों से आग लगी अभी मालूम नहीं चला है कि कैसे आग लगी । ग्रामीणों और दमकल की सहायता और पुलिस के सहयोग से आग पर काबू पाया गया तीन लोगों का भूसा का मण्डीला जला है शांति व्यवस्था बना हुआ है।

शोहरतगढ़ में बहू–बेटी सम्मेलन कार्यक्रम में महिलाओं को किया गया जागरूक

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। मंगलवार को थाना शोहरतगढ़ क्षेत्र में मिशन शक्ति फेज 5.0

(द्वितीय चरण) के अंतर्गत बहू–बेटी सम्मेलन एवं जन चौपाल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं को सुरक्षा, अधिकारों एवं आत्मनिर्भरता के प्रति जागरूक करना रहा। कार्यक्रम का संचालन प्रभारी निरीक्षक नवीन कुमार सिंह द्वारा किया गया। इस दौरान थाना क्षेत्र के कंपोजिट विद्यालय नियाव में छात्राओं एवं महिलाओं को जागरूक किया गया। उन्हें महिला सुरक्षा, आत्मरक्षा एवं विभिन्न अपराधों से बचाव के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही दहेज उत्पीड़न, पॉक्सो एक्ट तथा महिला संबंधी मामलों में सहायता प्राप्त करने के उपाय भी बताए गए। कार्यक्रम में महिलाओं और बालिकाओं को मिशन शक्ति केंद्र के बारे में जानकारी देते हुए बताया गया कि वे अपनी समस्याएं थाने में स्थापित केंद्र पर दर्ज करा सकती हैं। इसके अलावा विभिन्न हेल्पलाइन नंबरकृ1090 (वुमेन पावर लाइन), 181 (महिला हेल्पलाइन), 112 (पुलिस हेल्पलाइन), 1098 (चाइल्ड केयर), 108 (एम्बुलेंस), 101 (अग्निशमन), 14567 (एल्डर हेल्पलाइन) एवं 1930 (साइबर हेल्पलाइन)कृकी जानकारी भी साझा की गई। इसके साथ ही बाल विवाह, लैंगिक समानता, लिंगानुपात एवं साइबर अपराध जैसे विषयों पर भी जागरूक किया गया। कार्यक्रम में यातायात नियमों के पालन के संबंध में भी जानकारी दी गई। इस दौरान लगभग 60 बालिकाएं एवं 10 महिलाएं उपस्थित रहीं।कार्यक्रम में उपनिरीक्षक राजकुमार यादव, हेड कांस्टेबल अविनाश सिंह, महिला कांस्टेबल शोभा भारती एवं उर्मिला देवी सहित पुलिस विभाग के अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

सिद्धार्थनगर में होमगार्ड भर्ती परीक्षा को लेकर तैयारी बैठक, नकलविहीन परीक्षा के सख्त निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जनपद में 25, 26 और 27 अप्रैल को आयोजित होने वाली होमगार्ड भर्ती परीक्षा–2026 को शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष ढंग से संपन्न कराने के लिए जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन की अध्यक्षता में कैम्प कार्यालय पर बैठक आयोजित की गई। बैठक में पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन भी उपस्थित रहे। बैठक में सेक्टर मजिस्ट्रेट, स्टेटिक ऑफिसर और केंद्र व्यवस्थापकों को निर्देश दिए गए कि सभी तैयारियां परीक्षा से पूर्व मानकों के अनुरूप पूरी कर ली जाएं। जिलाधिकारी ने कहा कि परीक्षा को नकलविहीन और शांतिपूर्ण ढंग से कराने में प्रशासन और पुलिस के बीच समन्वय बेहद जरूरी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी अधिकारी की लापरवाही मिलने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। सभी अधिकारियों को समय से अपने ड्यूटी स्थल पर पहुंचकर जिम्मेदारी निभाने के निर्देश दिए गए। डीएम ने निर्देश दिया कि सभी परीक्षा केंद्रों पर मूलभूत सुविधाएं, सीसीटीवी कैमरे और जैमर पूरी तरह से क्रियाशील रहें। यदि कहीं कोई कमी हो तो उसे तुरंत ठीक कराया जाए। साथ ही परीक्षा केंद्रों के प्रवेश द्वार पर अभ्यर्थियों की सघन जांच कर इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स को अंदर ले जाने से रोकने के निर्देश दिए गए। परीक्षा दो पालियों में आयोजित होगीकृपहली पाली सुबह 10:00 से 12:00 बजे तक और दूसरी पाली दोपहर 3:00 से 5:00 बजे तक होगी। बैठक में अपर जिलाधिकारी गौरव श्रीवास्तव, अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार, उपजिलाधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

सार्वजनिक धन का दुरुपयोग और निर्माण कार्यों में मानकों की अनदेखी सीधे तौर पर भ्रष्टाचार की श्रेणी में आती है

दैनिक बुद्ध का संदेश

बांसी। आदर्श नगर पालिका परिषद बांसी में विकास कार्यों के नाम पर धांधली और भ्रष्टाचार रुकने का नाम नहीं ले रहा है। ताजा मामला उपनगर नरकटहा के ईशा नगर से सामने आया है, जहाँ मानकों को ताक पर रखकर इंटरलॉकिंग सड़क का निर्माण कराया जा रहा है। यहाँ ठेकेदार और जिम्मेदारों की मिलीभगत से नई गिट्टी के स्थान पर पुरानी उखाड़ी गई इंटरलॉकिंग ईंटों को तोड़कर (ळैठ के रूप में) धड़ल्ले से इस्तेमाल किया जा रहा है। मानकों की धज्जियां, कमीशनखोरी का खेल स्थानीय निवासियों का आरोप है कि नगर पालिका प्रशासन श्कमीशनखोरी के रथश पर सवार होकर भ्रष्टाचार को बढ़ावा दे रहा है। नियमानुसार, नई सड़क के निर्माण में निर्धारित गुणवत्ता वाली गिट्टी और सामग्री का प्रयोग होना चाहिए, लेकिन यहाँ पुरानी सामग्री को ही नया रूप देकर सरकारी बजट को ठिकाने लगाया जा रहा है। पुरानी ईंटों का पुनरू प्रयोग ईशा नगर में पुरानी इंटरलॉकिंग को उखाड़कर उसी के मलबे को सड़क की आधार परत (ठेंम) में डाला जा रहा है। नगर पालिका के लगभग हर कार्य में गुणवत्ता की कमी और अनियमितता की शिकायतें आम हो गई हैं। जनता में आक्रोश क्षेत्र के लोगों का कहना है कि राजनीतिक रसूख और अधिकारियों की चुप्पी के कारण भ्रष्टाचार का यह खेल खुलेआम चल रहा है। भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ता आदर्श नाम बोर्ड पर श्आदर्शश नगर पालिका परिषद लिखा होना अब केवल एक औपचारिकता बनकर रह गया है। धरातल पर स्थितियां इसके ठीक विपरीत हैं। मानक विहीन कार्यों से सड़क की उम्र कम हो जाती है, जिससे कुछ ही महीनों में जनता को दोबारा जलजमाव और टूटी सड़कों की समस्या झेलनी पड़ती है। स्थानीय नागरिकों की मांग है कि इस पूरे प्रकरण की उच्च स्तरीय जांच की जाए और दोषी अधिकारियों व ठेकेदार के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए ताकि सरकारी धन की लूट बंद हो सके।

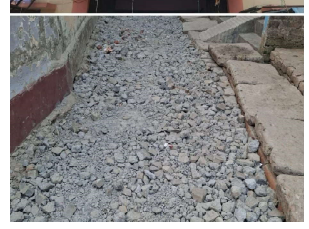

डीएम ने आईटीआई बसडिलिया का किया औचक निरीक्षण, व्यवस्थाओं पर जताया संतोष

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने आईटीआई बसडिलिया का औचक निरीक्षण कर संस्थान की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने कक्षाओं, प्रयोगशालाओं और प्रशिक्षण व्यवस्थाओं का गहन अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान डीएम ने प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्रों से संवाद कर उनकी उपस्थिति, प्रशिक्षण की गुणवत्ता और उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने संस्थान की व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि तकनीकी शिक्षा में आईटीआई की महत्वपूर्ण भूमिका है। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि आगामी प्रशिक्षण सत्र के लिए जिला विद्यालय निरीक्षक से समन्वय कर अधिक से अधिक सीटों पर प्रवेश सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि युवाओं को तकनीकी प्रशिक्षण से जोड़ना जरूरी है, ताकि उन्हें बेहतर रोजगार के अवसर मिल सकें। साथ ही डीएम ने संस्थान में स्वच्छता, अनुशासन और समयबद्धता बनाए रखने तथा प्रशिक्षण में आधुनिक उपकरणों और नई तकनीकों के उपयोग पर जोर दिया। उन्होंने प्रचार–प्रसार बढ़ाने और अभिभावकों को जागरूक करने के निर्देश भी दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण ही युवाओं का भविष्य संवार सकता है, इसलिए सभी संबंधित अधिकारी इस दिशा में गंभीरता से कार्य करें।

नि:शुल्क विद्युत चालित चाक (इलेक्ट्रानिक चाक) हेतु करें आवेदन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। उ0प्र0 सरकार द्वारा पर्यावरण के दृष्टिगत प्लास्टिक से निर्मित सामग्री पर प्रतिबन्ध लगा दिया गया है तथा मिट्टी के बने उत्पादों को अपने जीवन में अधिक से अधिक प्रयोग पर बल दिया जा रहा है कि इस उद्देश्य से जिन माटीकला के कामगारों/शिल्पकारों द्वारा मिट्टी के विभिन्न प्रकार के बर्तनों खिलौनों मूर्तियों आदि का निर्माण कर जिविकोपार्जन किया जा रहा है ऐसे कामगार/शिल्पकार जिनकी उम्र 18 से 55 वर्ष के बीच है को गतवर्षो की भाँति नि:शुल्क विद्युत चालित चाक उपलब्ध कराये जाने का निर्णय लिया गया है जनपद सिद्धार्थनगर को वर्ष 2026–27 में मात्र 33 नि:शुल्क विद्युत चालित चाक (इलेक्ट्रानिक चाक) दिये जाने का लक्ष्य प्राप्त हुआ है इस हेतु माटीकला के इच्छुक कामगार/शिल्पकार जिन्हे इलेक्ट्रानिक चाक की आवश्यकता है। वे दिनांक 30.05.2026 तक उ0प्र0 माटीकला बोर्ड के बेवसाइट नचउंजपांसंइवंतक.पद पर ऑनलाईन आवेदन करना है। ऑनलाईन सभी प्रपत्रो की हार्ड कापी दिनांक 30.05.2026 तक जिला ग्रामोद्योग कार्यालय, विकास भवन, द्वितीय तल, सिद्धार्थनगर में जमा कर दें। योजना के तहत एक परिवार के एक ही व्यक्ति पात्र होगे तथा जिन्हे पूर्व में विभाग/संस्था द्वारा इसका लाभ मिल चुका है वे कामगार इसके पात्र नही होगें। कार्यालय में आवेदन की हार्ड कापी जमा करते समय स्वंय का पासपोर्ट साईज एक फोटो, आधार, जाति, निवास, शैक्षिक योग्यता का प्रमाण पत्र, राशन कार्ड व बैंक पासबुक की छाया प्रति व ग्राम प्रधान से प्रमाणित संस्तुति पत्र जमा करना अनिवार्य होगा। अधिक जानकारी के लिए कार्यालय के मोबाइल न0 9580503136 एवं 9453938215 पर सम्पर्क कर सकते है। उक्त आशय की जानकारी जिला ग्रामोद्योग अधिकारी गंगाधर दुबे द्वारा दिया गया है।

सम्पादकीय

कक्षा में पढ़ाई ठीक हो तो न होगी जरूरत

जिससे अभिभावकों पर अतिरिक्त आर्थिक दबाव भी नहीं पड़ेगा। अधिक विषयों के लिये योग्य शिक्षकों की नियुक्ति व रटने के बजाय समझने की प्रवृत्ति को बढ़ावा देकर भी कोचिंग प्रथा को कम किया जा सकता है। इसके साथ ही स्कूलों में छात्रों का मध्यावधि मूल्यांकन भी मददगार साबित हो सकता है...

हाल के दिनों में कोचिंग का तेजी से बढ़ता प्रचलन अभिभावकों के बजट को बिगाड़ रहा है। छात्रों का कोचिंग जाना धीरे–धीरे अपरिहार्य माना जाने लगा है। जिसके चलते माता–पिता को अपने अन्य जरूरी खर्चों में कटौती करनी पड़ती है। हाल ही में भारत सरकार के एक सर्वेक्षण में पाया गया कि देश भर के लगभग हर चार में से एक स्कूली छात्र ने इस वर्ष निजी कोचिंग ली। कुल मिलाकर देश के 27 फीसदी विद्यार्थी निजी कोचिंग लेते हैं। यह प्रतिशत शहरों में ज्यादा है, जो सर्वे में करीब 31 फीसदी पाया गया। वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में शहरों की तुलना में कम– 25 फीसदी पाया गया है। पंजाब और हरियाणा जैसे राज्यों में यह कोई वैकल्पिक सुविधा नहीं है बल्कि शिक्षा प्रणाली की विसंगतियों से अपने बच्चों को उबारकर उनके बेहतर भविष्य की आस का जरिया है। उस स्थिति से उबरने की कोशिश है जो छात्रों को परीक्षा से पूर्व तनाव व परेशानी में धकेल देती है। केंद्र सरकार के व्यापक वार्षिक माड्यूलर सर्वेक्षण यानी सीएमएस में खुलासा हुआ है कि शहरी परिवार कोचिंग पर साल में औसतन चार हजार रुपये खर्च करते हैं। वहीं उच्चतर माध्यमिक छात्रों के लिये राशि बढ़कर दस हजार रुपये हो जाती है। दूसरी ओर ग्रामीण क्षेत्रों में यह खर्च कम हो जाता है। लेकिन फिर भी परिवार की आय पर दबाव जरूर बनाता है। कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के व्यापक मॉड्यूलर सर्वेक्षण (शिक्षा) के ये आंकड़े एक सच्चाई को उजागर करते हैं कि स्कूली पढ़ाई छात्रों की सभी जिज्ञासाओं को शांत नहीं कर पाती। यानी स्कूल छात्रों की परीक्षाओं के लिये अपेक्षित आत्मविश्वास प्रदान करने में पूरी तरह सफल नहीं हो पा रहे हैं। जाहिर बात है कि यदि स्कूलों में पढ़ाई छात्राओं की आकांक्षाओं के अनुरूप हो और उनकी जिज्ञासा कक्षा की पढ़ाई के दौरान शांत हो जाए, तो वे कोचिंग की आवश्यकता महसूस नहीं करेंगे। सर्वे बताता है कि आज देश में 56 फीसदी छात्र सरकारी स्कूलों में शिक्षा ले रहे हैं। जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में यह संख्या दो दिहाई है। निस्संदेह, ऐसी स्थिति में कोचिंग का बढ़ता प्रचलन आकांक्षाओं से ज्यादा व्यवस्थागत कमजोरी का संकेत है। वहीं पंजाब और हरियाण में,यह प्रचलन ज्यादा है जहां बोर्ड और प्रवेश परीक्षाओं का अधिक दबाव हावी रहता है। जिसके चलते कुकरमुत्तों की तरह कोचिंग सेंटर उग रहे हैं। नतीजा साफ है कि कक्षाओं में ठीक से पढ़ाई न होने के कारण छात्रों का ध्यान व पैसा स्कूल के समानांतर चलाए जा रहे कोचिंग सेंटरों को जा रहा है। कोचिंग सेंटर, जिनका मकसद सिर्फ मुनाफा जुटाना ही है, वे समाज में एक कृत्रिम स्पर्धा ट्यूशन पढ़ने व न पढ़ने वाले छात्रों के बीच पैदा कर रहे हैं। पारिवरिक परिस्थितियों के चलते ट्यूशन न पढ़ने वाले छात्र असुरक्षा व हीन भावना के शिकार हो जाते हैं। दरअसल, इस समस्या का समाधान कोचिंग को बाजार हिस्सा मानकर नहीं किया जा सकता है। प्रतिबंध या सीमाएं निर्धारण से भी समस्या का समाधान करने के बजाय हम इस मुद्दे को और जटिल बना देंगे। बेहतर होगा कि स्कूल में कमजोर छात्रों को स्कूल के समय बाद अतिरिक्त कक्षाओं के जरिये मजबूती प्रदान की जाए। खासकर बोर्ड की परीक्षाओं में शामिल हो रहे छात्रों पर अधिक ध्यान व समय देकर स्कूल प्रबंधक रचनात्मक भूमिका निभा सकते हैं। जिससे अभिभावकों पर अतिरिक्त आर्थिक दबाव भी नहीं पड़ेगा। अधिक विषयों के लिये योग्य शिक्षकों की नियुक्ति व रटने के बजाय समझने की प्रवृत्ति को बढ़ावा देकर भी कोचिंग प्रथा को कम किया जा सकता है। इसके साथ ही स्कूलों में छात्रों का मध्यावधि मूल्यांकन भी मददगार साबित हो सकता है। राज्य बोर्डों को भी छात्रों के ज्ञान के मूल्यांकन को नया स्वरूप देना चाहिए। वे छात्रों को समझ और व्यावहारिक ज्ञान देने को प्राथमिकता दें बजाय कि रटने की प्रवृत्ति को बढ़ाने की। यदि निजी कोचिंग अपरिहार्य है तो कम आय वाले छात्रों के लिये आर्थिक सहायता नैसर्गिक न्याय करेगी। इससे शिक्षा के क्षेत्र में समानता लाना संभव है। अन्यथा कोचिंग का दायरा बढ़ता ही रहेगा। अन्यथा असमानता बढ़ेगी और कक्षाओं में छात्रों की भागीदारी कम होती जाएगी।

गर देखने हों दिन में तारे, तो शिक्षक बन जा प्यारे

शिक्षक के दायित्व की अंतहीन लंबी फेहरिस्त है, वे केवल कहलाने मात्र के शिक्षक हैं, मगर सारे सरकारी कार्य का संपादन उनके कंधों पर है, कई बार तो ऐसे ऐसे कार्यों में उनको झोंक देते हैं जिनका उनसे कोई वास्ता नहीं है। भोला जी एक सरकारी विद्यालय में शिक्षक हैं, अपनी नौकरी के शुरुआती दौर में विद्रोही तेवर रखते थे, कई बातों को आसानी से नहीं मानते थे, इसी कारण सात साल में सात मर्तबा बदली हो गई। किन्तु जब से वे अनुभवी, उम्रदराज शिक्षक सहनशील जी के संपर्क में आए हैं, उनके सान्निध्य में टिक कर नौकरी कर रहे हैं। सहनशील जी ने भोला जी को बताया कि शिक्षक को सरकारी महकमे में जादुई कर्मचारी मान लिया है या यूं कहें कि संसार में ऐसा कोई काम नहीं जिसको शिक्षक अपने बूते न कर पाता हो, इसलिए ठंडे दिमाग से सभी आदेश का पालन करें और कभी भी उलझनें की हिमाकत न करें। यही कारण है कि आजकल भोला जी अपने बहुआयामी व्यक्तित्व को संवारने में लगे हुए हैं। भोला जी के दायित्व की अंतहीन लंबी फेहरिस्त है, वे केवल कहलाने मात्र के शिक्षक हैं, मगर सारे सरकारी कार्य का संपादन उनके कंधों पर है, कई बार तो ऐसे ऐसे कार्यों में उनको झोंक देते हैं जिनका उनसे कोई वास्ता नहीं है, पिछली बार भोला जी को सामूहिक विवाह की जिम्मेदारी दे दी, इससे निपटे तो एक पूरे साल के लिए चुनावी प्रक्रिया का हिस्सा बन गए, यह काम अभी पूरा भी नहीं हुआ कि घर–घर सर्वे करने का आदेश मिल गया, इससे निजात मिलती उसके पहले ही जाति प्रमाण पत्र बनाने का फरमान आ गया, यह काम अभी चल ही रहा था, कि साइकिल वितरण का भार आ गया। पूरे संसार में हमारे देश में केवल और केवल शिक्षक को ही सर्वशक्तिमान माना गया है, जिस पर प्राकृतिक आपदा का भी असर नहीं होता है, चाहे बाढ़ की विभीषिका हो या सूखे का दंश, शिक्षक की तैनाती कर दी जाती है, कई बार तो सम्बन्धित विभाग के कर्मचारी गायब रहते हैं और शिक्षक मौके पर तैनात रहते हैं। घोर आश्चर्य तो यह है कि साल भर शिक्षक को अन्य कार्यों में उलझाए और स्कूल से दूर रखने के बाद यदि परीक्षा परिणाम संतोषजनक नहीं आया तो उसका ठीकरा भी शिक्षक के सिर पर ही फोड़ा जाता है। उससे शिक्षा की बेहतरी की उम्मीद भी रखी जाती है। बहरहाल, भोला जी आपने प्राणपण से अपने कर्तव्य का पालन करने में लगे हुए हैं, फिर भी एक दिन ई–अटेंडेंस न लगाने पर कारण बताओ नोटिस मिल गया, इसलिए भोला जी कहते हैं, कि 'गर दिन में देखने हों तारे, तो शिक्षक बन जा प्यारे।'

देश के सबसे स्वच्छ शहर में अस्वच्छ हरकतें

यह एक साधारण विवाह था, पर क्या पता था कि कुछ ही दिनों में यह शादी देशभर में सुर्खी बन जाएगी। इंदौर से हनीमून के लिए शिलांग गए इस नवविवाहित जोड़े राजा और सोनम की कहानी ने पूरे देश को झकझोर दिया। एक सपनों भरा हनीमून भयानक त्रासदी और रहस्यमय हत्याकांड में बदल गया। दिलचस्प बात यह कि हनीमून की प्लानिंग सोनम ने खुद की। टिकट से लेकर होटल बुकिंग तक सब कुछ सोनम के ...

आठ बार स्वच्छता का खिताब जीतने वाले इंदौर की स्वच्छता पर पिछले दिनों रहस्यमय कांड के दाग लगे, जिसके पीछे दो महिलाओं की शातिर दिमाग की हरकतें थीं। उन्होंने घटनाओं को जिस तरह साजिश में गूंथा, वह आश्चर्य करने वाली बात है। किसी अपराध फिल्म की जैसी स्क्रिप्ट रचने वाली महिलाओं का कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं था। इंदौर में करीब 3 महीने में दो ऐसी घटनाएं हुई, जिन्होंने पूरे देश में इंदौर की एक अलग छवि निर्मित की। यह छवि है आपराधिक कृत्य वाली और संयोग कि कृत्य करने वाली दोनों महिलाएं हैं। पहले सोनम रघुवंशी का नाम आया जिसकी 11 मई को राजा रघुवंशी से शादी हुई थी। उसने प्रेमी के साथ शादी के पहले ही साजिश रचकर पति राजा रघुवंशी को हनीमून ट्रिप पर शिलांग में सुपारी देकर मरवा दिया। इसके बाद अर्चना तिवारी ने परिवार के शादी के दबाव के आगे झुकने के बजाय खुद को परिदृश्य से गायब करने की चाल चली। राखी पर अपने घर कटनी जाते समय वह रास्ते में ट्रेन से बेहद शातिराना तरीके से गायब हो गई। उसके गायब होने की साजिश में एक लड़का सारांश सामने आया। रेलवे पुलिस परेशान रही। उसे नर्मदा और जंगल में तलाश किया गया। लेकिन, बाद में पुलिस ने लिंक जोड़कर 12 दिन बाद उसे भारत–नेपाल की सीमा पर पकड़ लिया। इंदौर में रहकर जज की तैयारी कर रही 29 साल की कटनी की अर्चना तिवारी की गुमशुदगी और बरामद होने की गुत्थी हैरत

पैदा करने वाली है। रेलवे पुलिस की जांच ने साफ किया कि यह कोई अपहरण या हादसा नहीं, बल्कि खुद अर्चना की रची गई साजिश वाली कहानी थी। समाज में महिलाओं की एक संवेदनशील छवि है। इसलिए सहज भरोसा नहीं होता कि कोई मध्यमवर्गीय परिवार की लड़की खुद को शादी से बचाने के लिए इतनी गहरी साजिश रच सकती है। अर्चना घर वालों के इस फैसले से नाराज थी कि उसकी शादी एक पटवारी से की जा रही है, जबकि वो सिविल जज बनने की तैयारी कर रही थी। सवाल उठता है कि उसने विरोध न करके अपने आपको परिदृश्य से गायब करने का उपक्रम क्यों किया। यदि पूरे घटनाक्रम पर नजर दौड़ाई जाए, तो एक बात साफ नजर आती है कि जिस तरह फुलप्रूफ षड्यंत्र रचा गया, वो किसी सामान्य लड़की के बस की बात शायद नहीं हो सकती। सात अगस्त की रात अर्चना इंदौर से नर्मदा एक्सप्रेस ट्रेन से रक्षाबंधन के लिये कटनी के लिए रवाना हुई थी। लेकिन, वहां नहीं पहुंची। देर रात उसका मोबाइल बंद हो गया। घबराए परिवार ने भोपाल के जीआरपी थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। जांच में सामने आया कि अर्चना ने गुम होने की योजना पहले से बना रखी थी। वकील होने के नाते उसे कानून और जांच प्रक्रिया की बारीकियां पता थीं। उसने सोचा कि अगर मामला जीआरपी में दर्ज होगा, तो उस पर गहन जांच नहीं होगी। इसी सोच के तहत इटारसी के पास जंगल में अर्चना ने अपना मोबाइल फोन फेंक दिया, ताकि लोकेशन ट्रेस न हो सके। उसने साथी सारांश के साथ ट्रेन से उतरने के बाद ऐसा रास्ता चुना, जहां टोल टैक्स और सीसीटीवी कैमरे न हों। इस सफर में सारांश दूरी बनाकर उसके साथ रहा। पूरे घटनाक्रम में अर्चना के दो दोस्तों सारांश और ड्राइवर तेजेंद्र की अहम भूमिका रही। सारांश से अर्चना की पहचान इंदौर में पढ़ाई के दौरान हुई थी। तेजेंद्र ने बीच रास्ते में ट्रेन में अर्चना को साड़ी और कपड़े दिए। तेजेंद्र और सारांश की मदद से अर्चना इटारसी से निकलकर शुजालपुर पहुंची। उन्होंने लंबा रूट लिया ताकि किसी टोल प्लाजा या कैमरे में न आएं। वह इंदौर, बुरहानपुर, हैदराबाद व जोधपुर होते हुए दिल्ली पहुंची। फिर सारांश के साथ 14 अगस्त को नेपाल चली गई। इस दौरान अर्चना ने नया सिम कार्ड या फोन भी मध्य प्रदेश से नहीं लिया, ताकि कहीं भी उनकी ट्रैकिंग न हो सके। निस्संदेह, ये किसी सामान्य लड़की के दिमाग की उपज नहीं हो सकती। जांच टीम ने सैकड़ों सीसीटीवी फुटेज खंगाले। बड़ा सुराग तब मिला, जब अर्चना की कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) में एक नंबर पर लंबे समय तक बातचीत दर्ज हुई, वह नंबर सारांश का निकला। सारांश को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई तो पूरा राज खुल गया और अर्चना को नेपाल बॉर्डर से पकड़ा गया। अर्चना की अविश्वसनीय दलील थी कि सारांश के साथ उनके कोई प्रेम संबंध नहीं हैं ,उसने सिर्फ इस पूरी योजना में मदद की। अब दूसरी लड़की सोनम रघुवंशी की कहानी, जिसने साजिश रचने में किसी जासूसी फिल्मों की कहानी को मात कर दिया। शुरुआत हुई 11 मई से जब राजा रघुवंशी और सोनम रघुवंशी की परिवार की राजी–मर्जी से शादी हुई।

हेराफेरी की डिग्री हासिल करने में माहिर वैश्विक नेता

श्रीलंका में संसद अध्यक्ष अशोक रानवाला ने 23 दिसंबर, 2024 को अपनी पीएचडी फर्जी होने के आरोपों की वजह से इस्तीफा दे दिया। वो केवल 22 दिन स्पीकर की कुर्सी पर बैठ पाए। उनके अलावा शहरी विकास एवं आवास मंत्री अनुरा करुणातिलके और न्याय मंत्री हर्षना नानायकारा पर भी डश्वक्टरेट की डिग्री होने का झूठा दावा करने के लिए विपक्ष हमलावर हो गया...

जहां जर्मनी जैसे देशों में सार्वजनिक जवाबदेही पेशेवर अपमान और इस्तीफे का कारण बन सकती है, वहीं कमजोर कघनून–व्यवस्था वाले देशों में नेता इन आरोपों को आसानी से नजरअंदाज कर सकते हैं। कुछ देशों को 'शोध प्रबंध कारखानों' से भी जूझना पड़ता है, जहां राजनेताओं को गुप्त रूप से लिखे गए अकादमिक शोध–पत्र बिक्री के लिए उपलब्ध होते हैं। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को 1997 में सेंट पीटर्सबर्ग माइनिंग इंस्टिट्यूट से प्राप्त अपनी डिग्री को लेकर जांच का सामना करना पड़ा था, जब एक अमेरिकी शोधकर्ता ने दावा किया था कि उनके शोध प्रबंध के 16 पृष्ठ पिट्सबर्ग विश्वविद्यालय के दो प्रोफेसरों द्वारा प्रकाशित एक अध्ययन से शब्दशः चुराए गए थे। पुतिन ने इन आरोपों का कभी जवाब नहीं दिया। भारत की तरह रूस में भी 'घोस्ट राइटर्स' ठेके पर मिल जाते हैं, जो शोध प्रबंध लिखने में माहिर होते हैं। कुछ अनुमानों के अनुसार, रूस में हर साल लगभग पांच लाख नकली डिग्री, डिप्लोमा बेचे जाते हैं। जर्मन रक्षा मंत्री थियोडोर जू गुटेनबर्ग अपने समय के पॉलिटिकल स्टार थे। वर्ष 2011 में उन्होंने तब इस्तीफा दिया था, जब एक विश्वविद्यालय समिति ने यह सुनिश्चित किया कि उन्होंने 2006 में अपने कानूनी शोध प्रबंध की 'जानबूझकर' हेराफेरी की थी। गुटेनबर्ग, 'गूगलबर्ग' के नाम से कुख्यात हो गए। उन्होंने डॉक्टरेट की उपाधि रद्द किए जाने के बाद इस्तीफा दे दिया था। वर्ष 2013 में जर्मन चांसलर आंगेला मैर्केल को बड़ी शर्मिंदगी झेलनी पड़ी जब उन्हें अपनी शिक्षा मंत्री एलन शावन का इस्तीफा लेना पड़ा। उन्होंने अपने अल्मा मेटर की शोध प्रबंध के कुछ हिस्सों को चुराकर डॉक्टरेट की उपाधि हासिल कर ली थी। यूरोपीय संसद की उपाध्यक्ष सिलवाना कोच–मेहरिन ने भी 2011 में दस्तावेजों की नकल की थी। डॉक्टरेट की उपाधि छीन लिए जाने के बाद, सिलवाना कोच–मेहरिन ने इस्तीफा दे दिया था। 2021 में, बर्लिन की मेयर पद की उम्मीदवार फ्रांजिस्का गिफी से उनकी डॉक्टरेट की उपाधि छीन ली गई। उनके विश्वविद्यालय ने निष्कर्ष निकाला कि उन्होंने जानबूझकर अपने शोध प्रबंध के कुछ हिस्सों की साहित्यिक चोरी की थी। यूरोपीय आयोग की वर्तमान अध्यक्ष उर्सुला फोन देयर लेयेन पर 2015 में ऐसी ही गड़बड़ी का आरोप लगा। तब इसकी जबरदस्त चर्चा हुई कि 1991 के उन्होंने अपने शोध प्रबंध में साहित्यिक चोरी की थी। हालांकि, उन्हें बड़ी चालाकी से बचाया गया। एक तथाकथित जांच में यह निष्कर्ष निकाला गया कि उर्सुला का इरादा धोखा देने का नहीं था। उर्सुला फोन देयर लेयेन की कुर्सी और डॉक्टरेट की उपाधि दोनों बचा ली गई। हेग स्थित अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय आमतौर पर युद्ध अपराध, मानवाधिकार हनन की सुनवाई करता है। वहां संभवतः पहली बार किसी पूर्व प्रधानमंत्री के फर्जी डिग्री के विरुद्ध सुनवाई हुई। रोमानिया के पूर्व प्रधानमंत्री विक्टर पोंटा पर 2004 के शोध प्रबंध के आधे से ज़्यादा हिस्से नकल या डॉक्युमेंटेशन चोरी के जरिये जमा करने का आरोप लगाया गया था। हालांकि, शुरू में उन्होंने इससे इनकार किया, लेकिन बाद में उन्होंने नकल किये जाने की बात स्वीकार की और अपनी डिग्री त्याग दी। 2015 में विक्टर पोंटा ने अन्य घोटालों के सिद्ध होने पर प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। 2012 में, हंगरी के राष्ट्रपति पाल श्मिट ने अपने 1992 के शोध प्रबंध के अधिकांश भाग की साहित्यिक चोरी के कारण अपनी डॉक्टरेट की उपाधि छीन लिए जाने के बाद, इस्तीफा दे दिया था। रोमानियाई मंत्री थे, फ्लोरिन रोमन। 2021 में एक अखबार द्वारा अपनी शैक्षणिक योग्यता के बारे में झूठ बोलने की खबर के बाद इस्तीफा दे दिया। वर्ष 2018 में, स्पेन की पॉपुलर पार्टी के दो हाई–प्रोफाइल राजनेताओं क्रिस्टीना सिफुएंटेस और पाब्लो कैसाडो पर किंग युआन कार्लोस विश्वविद्यालय से बिना क्लास अटेंड किये फर्जीवाड़े से मास्टर डिग्री प्राप्त करने का आरोप लगाया गया था। बाद में सिफुएंटेस ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। पूर्व यूक्रेनी राष्ट्रपति विक्टर यानुकोविच की डॉक्टरेट और प्रोफेसरशिप पर तब सवाल उठाए गए, जब 2004 में राष्ट्रपति पद के लिए उनके आवेदन में व्याकरण संबंधी त्रुटियां पाई गईं। यूक्रेन के ही पूर्व प्रधानमंत्री आर्सेनी यात्सेन्युक पर 2017 में अपने शोध प्रबंध में चोरी का माल चेंपने का आरोप लगाया गया था। संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब सहित खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) के देशों में फर्जी प्रमाणपत्र एक बड़ी समस्या है। इराक के पूर्वगृह मंत्री, कासिम अल–अराजी, जो अल बद्र संगठन से जुड़े होने के लिए जाने जाते हैं, के पास डेनमार्क की गैर–मान्यता प्राप्त अलबोर्ग विज्ञान अकादमी से मास्टर डिग्री होने का खुलासा हुआ। इराक के ही पूर्व युवा एवं खेल मंत्री अहमद अल–उबैदी ने भी उसी गैर–मान्यता प्राप्त डेनिश संस्थान से डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की। दोनों की इस काण्ड में अच्छी–खासी फजीहत हुई। आठ साल पहले कुवैत में बड़े स्केल पर डिग्री घोटाले का खुलासा हुआ था। 2018 में जब इसकी जांच हुई, बड़ी संख्या में हाई–प्रोफाइल लोग फर्जी डिग्रियों के इस्तेमाल में लिप्त पाए गए। इस घोटाले में एक मिस्रवासी शामिल था, जिसने हाई–प्रोफाइल ग्राहकों को सैकड़ों प्रमाणपत्र बेचे। उच्च शिक्षा मंत्रालय के दो कर्मचारियों को जालसाजी में मदद करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। वर्ष 2019 में, लेबनान के चार विश्वविद्यालयों की फर्जी डिग्रियां बेचने के आरोप में जांच की गई, और 40 से ज़्यादा लोगों को गिरफ्तार किया गया। देश के उच्च शिक्षा महानिदेशक इस घोटाले में शामिल थे। सऊदी अरब में, अधिकारियों ने हजारों फर्जी इंजीनियरिंग और मेडिकल प्रमाणपत्रों का पता लगाया है।

चुपके से दिल्ली पहुंचे बांग्लादेशी विदेश मंत्री, एनएसए डोभाल ने किया बड़ा खेल

राजनीति में दोस्ती और दुश्मनी स्थाई नहीं होती। सिर्फ हित स्थायी होते हैं। और इसी कहावत को बता दें कि सच

साबित करती एक बड़ी खबर सामने आई है जिसने हलचल मचा दी है। बता दें कि दिल्ली पहुंचे बांग्लादेश के विदेश मंत्री और इसके पीछे जो पर्दे की कहानी बताई जा रही है वो यह है कि अजीत डोभाल ने अपना मास्टर स्ट्रोक खेला है। यह खबरें सामने आई है कि 7 अप्रैल की शाम बांग्लादेश के विदेश मंत्री खलील उर रहमान नई दिल्ली पहुंचे हैं। लेकिन बता दें कि यहां पर सिर्फ एक मुलाकात नहीं हो रही। यह सिर्फ एक दौरा नहीं है। यह भारत बांग्लादेश रिश्तों के नए अध्याय की शुरुआत हो सकती है।

क्यों खास है यह दौरा – दरअसल ये इसलिए भी बड़ा है क्योंकि बांग्लादेश में सत्ता बदलने के बाद यह पहला हाई लेवल विजिट है। जहां अब बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी यानी कि बीएनपी की सरकार सत्ता में है और तारिक रहमान प्रधानमंत्री है। इसके पहले बता दें कि मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार के दौरान दोनों देशों के बीच में यानी कि भारत और बांग्लादेश के रिश्ते में एक खटास आई थी। दोनों के रिश्ते में काफी तनाव आ गया था।

दिल्ली में किनसे होगी इनकी मुलाकात? – दरअसल 8 अप्रैल को विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर के साथ हैदराबाद हाउस में बड़ी बातचीत के साथ ही उनकी मुलाकात होगी और इसी के साथ ही पीयूष गोयल हरदीप सिंह पूरी के साथ में भी उनकी मुलाकात हो सकती है और फिर उसके बाद राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल से भी उनकी मुलाकात होगी।

डोभाल फैक्टर क्यों अहम है? – अजीत डोभाल भारत की स्ट्रेटेजिक और सिक्योरिटी पॉलिसी के मास्टरमाइंड माने जाते हैं। उनका इस मीटिंग में शामिल होना यह साफ संकेत देता है कि बातचीत सिर्फ यहां पर डिप्लोमेसी की नहीं होगी बल्कि सिक्योरिटी और स्ट्रेटेजिक लेवल पर भी यहां पर बातचीत होगी।

किन–किन मुद्दों पर होगी बड़ी बातचीत – दरअसल बता दें कि इस दौरे में कई अहम मुद्दे टेबल पर होंगे। वीजा सेवाओं की बहाली जो जुलाई 2024 से बंद है। एनर्जी कॉरपोरेशन बढ़ाना, बॉर्डर मैनेजमेंट को मजबूत करना, नदी जल बंटवारा यानी कि टेस्टा जैसे मुद्दों पर भी बातचीत हो सकती है। व्यापार को आसान बनाना, वीजा और मेडिकल टूरिज्म पर भी फोकस रहेगा। बांग्लादेश की तरफ से खास यहां पर दबाव रहेगा क्योंकि वीजा सर्विस पूरी तरह से बहाल करने का यहां पर बात की गई क्योंकि इससे मेडिकल टूरिज्म प्रभावित हुआ है। भारत लंबे समय से बता दें कि बांग्लादेश के मरीजों के लिए बड़ा मेडिकल हब रहा है।

ईरान की कौन सी 10 बड़ी शर्तें मान गया अमेरिका? तेहरान ने कहा बड़ी जीत, देखें लिस्ट

अंग्रेजी में कहते हैं हू ब्लिंक फर्स्ट ट्रंप ने ब्लिंक किया और जो अभी तक वो बड़े हाई हॉर्स पर घूम रहे थे उनको नीचे आना पड़ा क्योंकि उन्होंने कुछ दिन पहले ही बोला था कि हम ऐसी बर्बादी करेंगे ईरान के अंदर सिविलाइजेशन खत्म होगी। उनको फिर उसके उससे हटना पड़ रहा है। ईरान की एक बहुत बड़ी जीत है। क्योंकि अमेरिका ने जितने भी अपने लक्ष्य रखे थे, ऑब्जेक्टिव रखे थे, किसी में भी वो कामयाब नहीं हुए। रिजीम चेंज हुआ नहीं, यूरेनियम उनको मिला नहीं। वहां पर सिविल सोसाइटी ने जो अमेरिका की बात सुनकर सड़कों पर आए और अमेरिका के मुताबिक ही 42,000 लोग मारे गए। उनका क्या हुआ? अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने ऐलान किया है कि दो हफ्तों के लिए ईरान पर हमले रोके जाएंगे। यानी कि सीज फायर का ऐलान कर दिया गया है। अब सीज फायर के बीच ईरान की 10 शर्तों का जिक्र हो रहा है जो ईरान ने अमेरिका के सामने रखी हैं। इन 10 शर्तों में क्या–क्या है? इसे पॉइंट्स में समझते हैं।

सबसे पहली है कि डील जो हुई है उसमें सुरक्षा की गारंटी हो। स्थाई शांति हो और लेबनान में भी शांति हो। यह ईरान की तरफ से शर्त रखी गई थी। साथ

ही प्रतिबंधों की समाप्ति हो। सहयोगियों की सुरक्षा भी हो। स्टेट ऑफ हार्मोस को खोलना गुजरने पर फीस तय की जाए। यह भी मांग की गई ईरान की तरफ से। साथ ही ओमान की साझेदारी की चर्चा भी ईरान की तरफ से किया गया है। सुरक्षित मार्ग के नियम लागू हो। कंस्ट्रक्शन फंड यानी कि मुआवजा जो है वो ईरान की तरफ से मांगा गया। जो तबाही हुई उसके लिए पैसे दिए जाए, मुआवजा दिया जाए। यह ईरान ने कंडीशन रख दी है इस पूरी डील की। तो ईरान की तरफ से ये 10 शर्तें हैं। वहीं अमेरिका की तरफ से 15 शर्तें ईरान के सामने रखी गई है। जाहिर है दोनों देशों के बीच में सहमति बनी है और तभी सीज फायर का ऐलान हुआ है। यानी ना अमेरिका ईरान को छेड़ेगा ना इजराएल अब छेड़ेगा और वहीं ईरान की तरफ से भी वाइस ऑफ वर्षा होने की उम्मीद है। तो सीज फायर पर ये जो शर्तें हैं वो रखी गई है।

ईरान की 10 शर्तें – 1. हमला नहीं करने का वादा दृ अमेरिका ईरान पर किसी तरह का हमला नहीं करेगा। 2. हॉर्मुज जलडमरूमध्य पर ईरान का नियंत्रण – इस अहम समुद्री रास्ते पर ईरान का अधिकार बना रहेगा। 3. यूरेनियम संवर्धन की मंजूरी – ईरान को परमाणु कार्यक्रम के तहत संवर्धन की अनुमति मिलेगी।

4. सभी मुख्य प्रतिबंध खत्म– अमेरिका द्वारा लगाए गए सीधे आर्थिक प्रतिबंध हटाए जाएंगे। 5. दूसरे देशों के जरिए लगाए गए प्रतिबंध भी खत्म – सेकेंडरी सैंक्शन भी हटाए जाएंगे। 6. UN सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव खत्म – ईरान पर लगे संयुक्त राष्ट्र के प्रतिबंध समाप्त होंगे। 7. IAEA के प्रस्ताव समाप्त – परमाणु एजेंसी के बोर्ड द्वारा लगाए गए प्रस्ताव भी खत्म होंगे। 8. ईरान को मुआवजा – नुकसान के लिए ईरान को आर्थिक भरपाई दी जाएगी। 9. अमेरिकी सेना की वापसी –अमेरिका अपने लड़ाकू सैनिक इस क्षेत्र से हटाएगा। 10. हर मोर्चे पर युद्ध बंद – लेबनान सहित सभी जगह सैन्य कार्रवाई रोकी जाएगी

आयुष ने एशियाई चैंपियनशिप में विश्व के सातवें नंबर के खिलाड़ी लिन शी फेंग को हराया

भारत के आयुष शेट्टी ने बुधवार को बैडमिंटन एशियाई चौंपियनशिप में चीन के विश्व में सातवें नंबर के खिलाड़ी लिन शी फेंग को सीधे गेम में हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया। पिछले साल यूएस ओपन सुपर 300 का खिताब जीतने वाले विश्व के 25वें नंबर के खिलाड़ी आयुष ने 51 मिनट में 21–13 21–16 से जीत दर्ज की।

लिन ने शुरुआत में ही 4–1 की बढ़त बना ली, लेकिन आयुष ने शानदार वापसी करते हुए स्कोर 7–7 से बराबर कर दिया। इसके बाद उन्होंने धीरे–धीरे खेल पर नियंत्रण बनाकर पहला गेम अपने नाम कर दिया। दूसरे गेम में चीन के खिलाड़ी ने अच्छी शुरुआत करके 4–1 से बढ़त हासिल कर दी और फिर इसे 12–9 तक बढ़ा दिया, लेकिन आयुष ने लगातार छह अंक बनाकर मैच का रुख पलट दिया और स्कोर 18–13 कर दिया। लिन ने अंतर कम करते हुए स्कोर 16–18 कर दिया, लेकिन भारतीय खिलाड़ी ने अपना संयम बनाए रखा और खिताब के दावेदार माने जा रहे लिन को बाहर का रास्ता दिखा दिया। भारत का कोई भी खिलाड़ी 1965 के बाद इस महाद्वीपीय प्रतियोगिता में पुरुष एकल का खिताब नहीं पाया है। तब दिनेश खन्ना ने खिताब जीता था। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने 2023 में पुरुष युगल का खिताब जीता था। सात्विक के चोटिल होने के कारण यह स्टार भारतीय जोड़ी इस बार टूर्नामेंट में भाग नहीं ले रही है।

स्टंटबाज़ी पर सख्ती : बहराइच– लखनऊ हाईवे पर 11 लोग हिरासत में, मॉडिफाइड जीप सीज

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। बहराइच लखनऊ मुख्य मार्ग पर मरौचा चौराहे के पास पुलिस ने यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की। संतपथिक विद्यालय के निकट चेकिंग के दौरान एक मॉडिफाइड जीप में सवार लोग स्टंट करते और यातायात बाधित करते पाए गए। पुलिस ने मौके से 11 लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ के लिए थाना फखरपुर पहुंचाया और वाहन को सीज कर दिया। मामला मोटर वाहन अधिनियम के तहत दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में की गई।

बहराइच में पेट्रोल–डीजल वितरण पर सख्ती, पंपों के लिए नए नियम लागू

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। जनपद में पेट्रोल–डीजल वितरण व्यवस्था को लेकर प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए नए दिशा–निर्देश जारी किए हैं। जिला पूर्ति अधिकारी नरेंद्र तिवारी ने पेट्रोल पंप एसोसिएशन के साथ बैठक के बाद यह निर्णय लिया। अब सभी पेट्रोल पंप सुबह 7रू00 बजे से रात 9रू00 बजे तक ही संचालित होंगे। इस समय के बाहर ईंधन देने पर संबंधित अधिकारियों या पुलिस को सूचना देना अनिवार्य होगा। पंप संचालकों को निर्देश दिया गया है कि पेट्रोल–डीजल केवल वाहनों में ही दिया जाए। जरीकेन, बोतल या डिब्बों में ईंधन देने पर पूरी तरह प्रतिबंध रहेगा। किसानों को 5 से 10 लीटर तक डीजल जरीकेन या डिब्बे में दिया जा सकेगा, लेकिन इसके लिए किसान रजिस्ट्रेशन या किसान बही दिखाना अनिवार्य होगा। प्रशासन को ईंधन की कालाबाजारी की शिकायतें मिलने के बाद यह कदम उठाया गया है। बिना सूचना नियमों के विरुद्ध ईंधन देने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन का मानना है कि इन नियमों से कालाबाजारी पर रोक लगेगी और आम लोगों को समय पर ईंधन उपलब्ध हो सकेगा।

पश्चिम एशिया संकट के बीच एसईसीएल का बड़ा बयान, ऊर्जा सेक्टर की हर जरूरत पूरी करेंगे

कोल इंडिया लिमिटेड की दूसरी सबसे बड़ी कोयला उत्पादक इकाई साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक हरीश दुहान ने सोमवार को कहा कि कंपनी बदलती वैश्विक ऊर्जा परिस्थितियों के बीच देश की कोयला मांग, विशेषकर बिजली क्षेत्र की जरूरतों को पूरा करने के लिए तैयार है। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य जैसे वैश्विक ऊर्जा मार्ग प्रभावित हुए हैं जिससे आयातित कोयला एवं द्रवीकृत प्राकृतिक गैस की लागत बढ़ गई है।

इसका अप्रत्यक्ष दबाव भारत के कोयला और बिजली क्षेत्रों पर पड़ रहा है। साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक दुहान ने 'पीटीआई–भाषा' के साथ बातचीत में कहा कि कंपनी मजबूत परिचालन गति बनाए हुए है। चालू वित्त वर्ष 2025–26 में कंपनी ने मार्च के मध्य तक करीब 16.5 करोड़ टन कोयले का उत्पादन और 16.9 करोड़ टन से अधिक कोयले का प्रेषण किया है जिससे बिजलीघरों तथा अन्य उपभोक्ताओं को स्थिर आपूर्ति सुनिश्चित हुई है।

कंपनी एनटीपीसी, राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड (आरवीयूएनएल) और मध्य प्रदेश पावर जेनरेटिंग कंपनी लिमिटेड (एमपीपीजीसीएल) जैसे प्रमुख बिजली उत्पादकों को कोयला आपूर्ति करती है। दुहान ने बताया कि कंपनी के पास फिलहाल करीब 2.3 करोड़ टन कोयले का भंडार है जो बिजली क्षेत्र से मांग बढ़ने की स्थिति में पर्याप्त सहारा प्रदान करेगा। इसके अतिरिक्त कंपनी के पास लगभग 1.2 करोड़ टन कोयला भंडार ऐसा है जिसे तुरंत उत्पादन में बदला जा सकता है जिससे परिचालन में मजबूती बनी रहती है। उन्होंने बताया कि चालू वित्त वर्ष में खनन कार्यों के लिए कंपनी के पास पर्याप्त भूमि उपलब्ध है और उत्पादन एवं आपूर्ति बनाए रखने के लिए सभी आवश्यक खनन तथा परिवहन अनुबंध पहले से लागू हैं। इसके साथ ही एसईसीएल से जुड़े बिजली संयंत्रों के पास भी पर्याप्त कोयला भंडार है जिससे बिजली उत्पादन आपूर्ति श्रृंखला में स्थिरता बनी हुई है।

कंपनी की बड़ी खनन परियोजनाएं इस आपूर्ति को बनाए रखने में अहम भूमिका निभा रही हैं। कंपनी की 'दीपका मेगा' खान इस वर्ष 3.5 करोड़ टन उत्पादन का आंकड़ा पार कर चुकी है और अब तक के सबसे अधिक वार्षिक उत्पादन की ओर बढ़ रही है। इसी तरह एशिया की सबसे बड़ी कोयला खान गेवरा कोयला खान ने पांच करोड़ टन से अधिक उत्पादन का स्तर पार कर लिया है जबकि कुसमुंडा कोयला खान के भी चालू वर्ष में तीन करोड़ टन से अधिक उत्पादन हासिल करने की उम्मीद है।

इसके अलावा एसईसीएल 'रेक लोडिंग' बढ़ाने, भारतीय रेल के साथ करीबी समन्वय और देशभर के बिजली संयंत्रों को प्राथमिकता के आधार पर आपूर्ति कर कोयला निकासी तथा आपूर्ति तंत्र को लगातार मजबूत कर रही है। उन्होंने कहा कि इन उपायों के माध्यम से साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड भारत की ऊर्जा सुरक्षा में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। विशेषकर मांग बढ़ने के समय बिजली क्षेत्र को निर्बाध कोयला आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए वह प्रतिबद्ध है।

ये किस देश से एलपीजी गैस उठा लाया भारत! हो गया बड़ा खेल

जहां एक तरफ मिडिल ईस्ट में भीषण तनाव है और स्टेट ऑफ हॉर्मोस पर बढ़ते खतरा जो कि दुनिया के लिए एक ऊर्जा का संकट खड़ा कर रहा है। इन सबके बीच भारत ने मास्टर स्ट्रोक चलते हुए इस संकट का हल निकाल लिया है। जिसके बाद से यह ऐलान हुआ कि स्टेट ऑफ हार्मोस से भारत के जहाज गुजरेंगे और एक के बाद एक कई भारतीय जहाज स्टेट ऑफ हार्मोस पार करके भारत पहुंच चुके हैं। इस मामले पर भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने खुलासा किया कि ईरान के साथ सीधे संवाद और कूटनीति के जरिए भारत ने हॉर्मोन संकट के बीच अपने जहाजों की आवाजाही को सुनिश्चित कर लिया है। दरअसल स्टेट ऑफ हॉर्मोस इस समय दुनिया के सबसे संवेदनशील समुद्री जगहों में से एक है। अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच बढ़ते संघर्ष के कारण इस रास्ते से गुजरने वाले तेल और गैस के जहाजों पर खतरा मंडरा रहा है। इस इलाके में कई जहाजों के ऊपर ड्रोन अटैक हो चुके हैं। जिसके बाद वह जहाज डूब गए।

भारत को सबसे ज्यादा एलपीजी गैस बेचने वाले मुस्लिम देश कतर पर ईरान ने हमला कर दिया है। ईरान ने कतर में एलपीजी गैस रिफाइनरीज को टारगेट किया जिसकी वजह से कच्तर को एलपीजी गैस का प्रोडक्शन रोकना पड़ गया। भारत जो एलपीजी गैस इंपोर्ट करता है उसका करीब 42: हिस्सा कतर से ही आता है। दूसरे नंबर पर भारत संयुक्त अरब अमीरात से एलपीजी गैस इंपोर्ट करता है। लेकिन संयुक्त अरब अमीरात पर भी ईरान के हमले लगातार जारी है। आपको बता दें कि भारत के कुल एलपीजी इंपोर्ट्स का 62: हिस्सा कच्तर और संयुक्त अरब अमीरात से ही आता है। लेकिन इन दोनों देशों

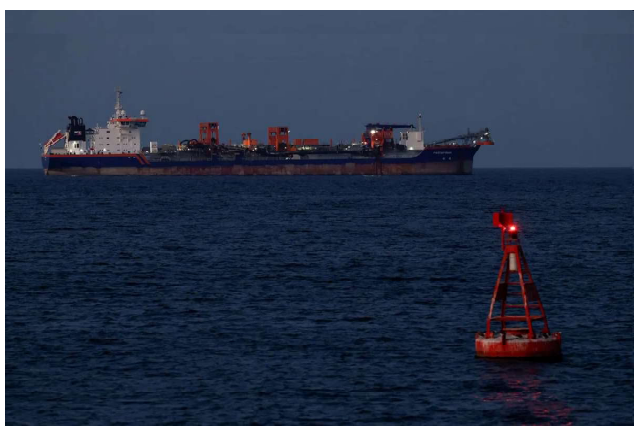

से सप्लाई ठप हो गई है। मगर मामला बिगड़ने से पहले ही मोदी सरकार ने एलपीजी को लेकर एक जबरदस्त खेल शुरू कर दिया। सबसे पहले तो देश में घरेलू एलपीजी उत्पादन को बढ़ाने के लिए आदेश दे दिए गए। तो वहीं मोदी सरकार का प्लान बी भी एक्टिवेट हो गया है।

कतर से एलपीजी आनी बंद हुई तो भारत कुछ और देशों के पास पहुंच गया और अब इन देशों से भारत में एलपीजी आनी शुरू हो गई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक भारत ने तुरंत अल्जीरिया, ऑस्ट्रेलिया, नॉर्वे से लेकर कनाडा समेत कई अन्य देशों से एलएनजी और एलपीजी गैसों को खरीदना शुरू कर दिया है। इन देशों से अब एलपीजी गैस की अतिरिक्त खेपे भारत पहुंचने भी लगी हैं। इसी बीच रूस ने भी एक बड़ा ऐलान करते हुए कहा है कि हम भारत को एलएनजी गैस बेचने के लिए तैयार हैं। पार्टी इंडिया को दिए गए एक इंटरव्यू में रूसी राजदूत डेनिस एलिपोव ने एलएनजी गैस को लेकर एक बहुत बड़ा ऐलान कर दिया। डेनिस एलिपोव ने कहा है कि अगर भारत चाहे तो हम भारत को एलएनजी गैस बेचने के लिए तैयार हैं।

मजे की बात देखिए कि कुछ दिन पहले ही रूस के राष्ट्रपति व्लादमीर पुतिन ने यूरोपीय देशों की अकड़ निकालते हुए कहा था कि अगर यूरोपीय देश रूस पर प्रतिबंध लगाने की सोचेंगे तो हम यूरोपीय देशों की एलएनजी सप्लाई को भी रोक सकते हैं। लेकिन इसी कड़ी में रूस ने अपने पक्के दोस्त भारत को एलएनजी गैस देने की पेशकश कर दी है। आपको बता दें कि ऐसी ही क्राइसिस सिचुएशन से निपटने के लिए मोदी सरकार पिछले कुछ समय से निर्यात डेस्टिनेशंस को बढ़ाने का काम कर रही है और अब मोदी सरकार का यही प्लान सफल होता दिख रहा है। बहरहाल जिस वक्त स्टेट ऑफ हॉर्मोस की वजह से 85 देशों को तेल और डीजल के दाम बढ़ाने पड़ गए हैं उसी समय भारत अभी भी ग्लोबल प्रेशर के सामने टिका हुआ है। पाकिस्तान, चीन और अमेरिका समेत कई यूरोपीय देशों ने पेट्रोल और डीजल के दामों को बढ़ा दिया है। लेकिन भारत ने अभी तक पेट्रोल और डीजल के दाम नहीं बढ़ाए हैं। इसी बीच भारत को एक बहुत बड़ी कूटनीतिक जीत भी मिल गई है। भारत ने पश्चिम एशिया में भीषण तनाव के बीच स्टेट ऑफ हॉर्मोस का रास्ता सुरक्षित कर लिया है।

बलरामपुर में पेट्रोल पंप पर उमड़ी भीड़, पुलिस ने संभाला मोर्चा

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। बलरामपुर में पेट्रोल पंप पर अचानक बढ़ी भीड़ के चलते अफरा–तफरी जैसी स्थिति बन गई। डीजल और पेट्रोल की कमी की आशंका के कारण बड़ी संख्या में लोग अपने वाहनों और डिब्बों के साथ पंप पर पहुंच गए, जिससे लंबी कतारें लग गईं। स्थिति को देखते हुए मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने भीड़ को नियंत्रित करने का काम शुरू किया। पुलिसकर्मियों ने लोगों को लाइन में लगवाया और व्यवस्थित तरीके से ईंधन वितरण सुनिश्चित कराया। साथ ही, किसी भी तरह की अव्यवस्था या विवाद की स्थिति न बने, इसके लिए सतर्कता बरती गई। पुलिस की तत्परता से हालात जल्द ही नियंत्रण में आ गए और लोगों को राहत मिली।

कलम रखेंगे, काम ठप होगा! – ग्राम रोजगार सेवक संघ का सीधा अल्टीमेटम

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। जनपद के विकास खंड बलहा में ग्राम

रोजगार सेवक संघ ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर कलमबंद हड़ताल का ऐलान किया है। मंगलवार को ब्लॉक मुख्यालय पर रोजगार सेवकों एवं मनरेगा कर्मियों ने प्रदर्शन करते हुए प्रशासन को ज्ञापन सौंपा।ब्लॉक अध्यक्ष नंद किशोर यादव के नेतृत्व में आयोजित इस प्रदर्शन के दौरान अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी (एपीओ) आलोक कुमार मिश्रा को खंड विकास अधिकारी के निर्देश पर ज्ञापन दिया गया। ज्ञापन में संघ ने बताया कि उनकी कई मांगें लंबे समय से लंबित हैं, जिन पर अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। संघ के पदाधिकारियों के अनुसार, ग्राम रोजगार सेवक 16 अप्रैल से 25 अप्रैल 2026 तक कलमबंद हड़ताल पर रहने का प्रस्ताव कर चुके हैं। उनकी प्रमुख मांगों में मानदेय/वेतन वृद्धि, कार्य की स्थिरता एवं सुरक्षा सुनिश्चित करना तथा लंबित भुगतान का शीघ्र निस्तारण शामिल है। संघ ने चेतावनी दी है कि यदि निर्धारित अवधि के भीतर मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। इस हड़ताल से मनरेगा सहित विभिन्न विकास कार्य प्रभावित होने की संभावना जताई जा रही है। प्रदर्शन में कमल किशोर, बंशीधर, राम प्रसाद मौर्य, साबित अली, जलालुद्दीन, छत्रपाल, अरमान अली, शिव कुमार, रमेश कुमार, शाहिद अली, मुबारक, इमरान अली, फिरोज, विनोद कुमार, सत्यनारायण, प्रमोद कुमार, पुनीत कुमार त्रिपाठी एवं जुनैद इब्राहिम सहित कई कर्मचारी मौजूद रहे।

भावुक माहौल में विदाई समारोह सम्पन्न, छात्राओं ने साझा किए यादगार पल

दैनिक बुद्ध का संदेश

श्रावस्ती। श्यामता प्रसाद चौधरी महिला पी.जी. कॉलेज,

कटरा श्रावस्ती में स्नातक तृतीय वर्ष एवं एम.ए. फाइनल वर्ष की छात्राओं के लिए भव्य विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन प्रोफेसर संजय कुमार की अध्यक्षता में हुआ, जिसमें स्नातक प्रथम, द्वितीय वर्ष एवं एम.ए. प्रथम वर्ष की छात्राओं ने बढ़–चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारम्भ 290 विधानसभा क्षेत्र श्रावस्ती के भावी प्रत्याशी, व पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष जितेंद्र कुमार गुप्ता उर्फ गुड्डू गुप्ता द्वारा माँ भारती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन एवं माल्यार्पण कर किया गया। इसके पश्चात सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का दौर शुरू हुआ, जिसमें जूनियर छात्राओं ने गीत, नृत्य, नाटक एवं चुटकुलों के माध्यम से समां बांध दिया। विदाई समारोह के दौरान स्नातक तृतीय वर्ष एवं एम.ए. अंतिम वर्ष की छात्राओं ने मंच पर आकर अपने कॉलेज जीवन के अनुभव साझा किए। उन्होंने शिक्षकों के मार्गदर्शन, कॉलेज के वातावरण एवं अपने शैक्षणिक सफर को सुखद और प्रेरणादायक बताया। विभिन्न विषयों के प्रवक्ताओं की सराहना करते हुए छात्राओं ने उनके व्यवहार और अध्यापन शैली की भूरि–भूरि प्रशंसा की। कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण में 'मिस फेयरवेल' का खिताब गुड़िया यादव तथा 'मिस कॉलेज' का खिताब भारती जायसवाल को दिया गया। समारोह के अंत में सभी छात्राओं ने एक–दूसरे को शुभकामनाएं दीं और उज्ज्वल भविष्य की कामना के साथ भावुक माहौल में कार्यक्रम का समापन हुआ। इस अवसर पर कॉलेज की समस्त छात्राएं एवं स्टाफ उपस्थित रहे।

नारी शक्ति बंधन कार्यक्रम का भव्य समापन, छात्राओं ने दिखाई प्रतिभा

दैनिक बुद्ध का संदेश

श्रावस्ती। जगतजीत इंटर कॉलेज, इकौना में नारी शक्ति बंधन कार्यक्रम का समापन प्रधानाचार्य राम बिहारी वाजपेई की अध्यक्षता में उत्साहपूर्ण माहौल में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं में छात्राओं ने बढ़–चढ़कर प्रतिभाग करते हुए अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर आयोजित निबंध प्रतियोगिता में जूनियर एवं सीनियर वर्ग की छात्राओं ने भाग लिया। सीनियर वर्ग में दीपिका चौरसिया ने प्रथम, मोहिनी ने द्वितीय तथा सोनाली ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं जूनियर वर्ग में रोशनी कसौधन प्रथम, साक्षी त्रिपाठी द्वितीय एवं संगीता तृतीय स्थान पर रहीं। कला प्रतियोगिता में भी छात्राओं ने अपनी रचनात्मकता का परिचय दिया। सीनियर वर्ग में सृष्टि कसौधन ने प्रथम, सुधा ने द्वितीय एवं संस्कृति ने तृतीय स्थान हासिल किया। जूनियर वर्ग में चंचल गुप्ता प्रथम, अंशिका द्वितीय तथा प्रिंसी तृतीय स्थान पर रहीं। कार्यक्रम के समापन अवसर पर प्रधानाचार्य राम बिहारी वाजपेई ने अपने संबोधन में कहा कि भारत में नारी सदैव पूजनीय रही है और वर्तमान समय में महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रही हैं। उन्होंने कहा कि चाहे शिक्षा, खेलकूद, संगीत या सुरक्षा क्षेत्र हो, महिलाएं हर जगह अग्रणी भूमिका निभा रही हैं। इस अवसर पर अवधेश कुमार चौधरी, राजेश कुमार द्विवेदी, विष्णु उपाध्याय एवं हनुमान प्रसाद सहित अन्य शिक्षकगण व छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन पुरस्कार वितरण एवं आभार प्रदर्शन के साथ हुआ।

नवागत आयुक्तने संभाला कार्यभार, सुशासन व पारदर्शिता पर जोर

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। देवीपाटन मंडल

में नवनियुक्त आयुक्त श्रीमती दुर्गा शक्ति नागपाल ने सर्किट हाउस में पहुंचने पर अधिकारियों ने गरिमामय स्वागत किया। आयुक्त के आगमन पर सर्किट हाउस में मंडल एवं जनपद स्तरीय अधिकारियों द्वारा पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका अभिनंदन किया गया।इसके बाद उन्होंने आयुक्त कार्यालय पहुंचकर कार्यभार ग्रहण किया। इस अवसर पर आयुक्त ने उपस्थित अधिकारियों व कर्मचारियों से संक्षिप्त परिचय प्राप्त करते हुए मंडल की प्रशासनिक व्यवस्थाओं,विकास कार्यों एवं जनहित से जुड़े मुद्दों की जानकारी ली।उन्होंने शासन की प्राथमिकताओं के अनुरूप योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाने तथा आमजन की समस्याओं का त्वरित और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किये जाने की बात कही।आयुक्त ने कहा कि पारदर्शिता,जवाबदेही एवं सुशासन को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए कार्य किया जायेगा,जिससे जनता को योजनाओं का वास्तविक लाभ मिल सके।इस दौरान अपर आयुक्त सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

सर्राफा व्यवसाई को अज्ञात हमलावरों ने मारी गोली,एसपी ने लिया संज्ञान जल्द गिरफ्तारी करने का निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। जनपद के थाना क्षेत्र छपिया में देर रात हुए

सर्राफा व्यवसायी समर कसौधन गोली कांड के बाद समर के परिवार के लोगों में दहशत का माहौल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार समर के घर पर पुलिस फोर्स की तैनाती की गई है।पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल ने मामले के खुलासे के लिए एसओजी,सर्विलांस समेत पांच पुलिस टीमों का गठन किया है।घायल समर कसौधन का अयोध्या मेडिकल कॉलेज में इलाज चल रहा है,जहां उनकी हालत सामान्य बताई जा रही है।डॉक्टरों ने ऑपरेशन के बाद उनके बाएं हाथ से गोली निकाल दी है।समर के भाई की तहरीर पर छपिया थाने में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ लूट के प्रयास और गोली मारने की गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है।पुलिस मामले की जांच कर रही है।फूलपुर चौराहे से लेकर सिसई रानी तक लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है।सीसीटीवी फुटेज के आधार पर छपिया पुलिस को इस गोलीकांड से जुड़े अहम सुराग मिले हैं,जिनकी गंभीरता से जांच की जा रही है।देर रात सिसई रानी में सराफा की दुकान बंद करके गौर बभनान घर जाते समय रास्ते में अज्ञात बाइक सवारों ने गोली मार दी थी।क्षेत्राधिकारी मनकापुर उदित नारायण पालीवाल ने बताया कि बभनान,बस्ती निवासी समर कसौधन अपनी सिसई रानीपुर स्थित दुकान बंद कर अकेले बाइक से घर जा रहे थे।फूलपुर गांव के पास एक नहर पुलिया पर दो अज्ञात बाइक सवारों ने उन्हें ओवरटेक कर रोका।आरोपियों ने जबरन उनका बैग छीनने का प्रयास किया। जब समर ने इसका विरोध किया,तो उनमें से एक अज्ञात व्यक्ति ने उन पर फायर कर दिया।गोली उनके बाएं हाथ में लगी है।

गमहर के कहर को देखते हुए 1 से 8वीं तक के बच्चों के समय में हुआ परिवर्तन

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। जनपद में गर्मी का सितम लगातार बढ़ता जा रहा है और ऐसे में स्कूली बच्चों को सूरज की तपिश से बचाने के लिए एक अहम फैसला लिया गया है।बढ़ते तापमान और गर्म हवाओं के प्रकोप को देखते हुए गोन्डा जनपद के जिलाधिकारी के निर्देश पर बेसिक शिक्षा अधिकारी ने कक्षा 1 से 8वीं तक के स्कूलों के समय में परिवर्तन कर दिया गया है।आने वाले दिनों से गोन्डा में छोटे बच्चों के स्कूल का समय सुबह 7 बजे से दोपहर 12 बजे तक रहेगा।इससे पहले सुबह 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक इन बच्चों की कक्षाएं चलती थीं।जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने इस संबंध में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अमित कुमार सिंह को आदेश जारी कर दिए हैं।अब छोटे बच्चों के लिए स्कूलों का समय सुबह 7 बजे से 12 बजे तक ही रहेगा।यह आदेश गोन्डा जिले के सभी परिषदीय,सहायता प्राप्त,मान्यता प्राप्त सीबीएसई,आईसीएसई और अन्य बोर्डों के स्कूलों में लागू रहेगा।जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को यह आदेश अनिवार्य रूप से पालन कराने के निर्देश दिए गए हैं।

भाजपा पदाधिकारियों की बैठक में प्रशिक्षण अभियान की रूपरेखा तैयार

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारियों की बैठक

मंगलवार को पार्टी कार्यालय अटल भवन में आयोजित हुई। बैठक में विधानसभा वार मंडलों में छूटे कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित करने के लिए विस्तृत रूपरेखा तैयार की गई। बैठक की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष रवि मिश्रा ने की। जिलाध्यक्ष रवि मिश्रा ने कहा कि कार्यकर्ता ही पार्टी की रीढ़ होते हैं। उनके सशक्त और प्रशिक्षित होने से संगठन को मजबूती मिलती है।उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे इस महा अभियान में सक्रिय भागीदारी करें, ताकि वैचारिक रूप से और अधिक मजबूत बन सकें। अभियान के जिला संयोजक एवं जिला महामंत्री डॉ. अजय सिंह 'पिंकू' ने बताया कि विधानसभा वार छूटे मंडल कार्यकर्ताओं के लिए दो दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग आयोजित किए जाएंगे। इसके तहत 23 व 24 अप्रैल को तुलसीपुर तथा 24 व 25 अप्रैल को बलरामपुर, उतरौला और गैसड़ी विधानसभा क्षेत्रों में प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन किया जाएगा। बैठक में जिला उपाध्यक्ष बृजेंद्र तिवारी, वरुण सिंह 'मोनू', संजय शुक्ला, जिला महामंत्री बिंदु विश्वकर्मा, रामकृपाल शुक्ला, दुष्यंत चौधरी, अवधेश तिवारी 'तरुण', सह मीडिया प्रभारी अवधेश पांडेय, मंडल अध्यक्ष धर्मेंद्र उपाध्याय, अटल वर्मा, सुरेश तिवारी, विनय मिश्रा, फणीन्द्र गुप्ता, अनिल कुमार, मेलाराम वर्मा, प्रभात सिंह, पांडव पासवान, सोनू मिश्रा, जिलेदार पांडेय, जयंत सिंह 'धर्मू', मनीष तिवारी, दिलीप द्विवेदी, जयचंद, रजनीश पांडेय और रोहित गुप्ता सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

भारतीय जन कल्याण समिति द्वारा भगवान परशुराम का जन्मोत्सव भव्य रूप में मनाया

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर भगवान परशुराम जी के जन्मोत्सव पर भगवान परशुराम जी के निर्माणाधीन मंदिर/समय माता मंदिर घुसाह पर अखिल भारतीय जन कल्याण समिति द्वारा भगवान परशुराम का जन्मोत्सव भव्य रूप में मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व सांसद आदरणीय चंद्रभाल मणि तिवारी जी ने किया कार्यक्रम के विशिष्ट आर्थिक रूप में पूर्व सांसद वर्तमान में जिला पंचायत अध्यक्ष दद्दन मिश्र और मुख्य अतिथि के रूप में तुलसीपुर के जनप्रिय विधायक कैलाश नाथ शुक्ला रहे। जिलाध्यक्ष रामनरेश त्रिपाठी जी ने सभी अतिथियों और आगंतुक विप्र बंधुओं का स्वागत किया। संरक्षक सेतुबन्धु त्रिपाठी बाबा जी ने सभी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संयोजन प्रदेश उपाध्यक्ष पंडित सौरभ त्रिपाठी जी ने किया और कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ तुलसीश दुबे ने किया। इस दौरान मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथि ने भगवान परशुराम जी के जीवन चरित्र पर प्रकाश डालते हुए हमारी पीढ़ी को इनके आदर्शो को आत्मसात करते हुए वक्त के हिसाब से कार्य करते रहने की सलाह दी। पूर्व सांसद ने कहा महापुरुष किसी एक जाति वर्ग विशेष के नहीं होते वे सबके होते हैं जनसेवा और संगठन के द्वारा हो रहे सभी कार्य बहुत ही शानदार है। हमारे नए बच्चे इससे संस्कार और नैतिकता सीख रहे हैं। कार्यक्रम में वरिष्ठ उपाध्यक्ष अरुण पांडे, वरिष्ठ उपाध्यक्ष संजय मिश्रा, प्रवीर तिवारी, प्रमोद मिश्रा दुर्गापुर वाले, विमल शुक्ला, जिला उपाध्यक्ष भाजपा संजय शुक्ला, सभासद अक्षय शुक्ला, माता प्रसाद चतुर्वेदी, वरिष्ठ पत्रकार कमलेश त्रिपाठी, कई वरिष्ठ पत्रकार मातृ शक्ति के रूप में डॉ पम्मी पांडे, मंजू तिवारी, सरिता शुक्ला, मनोनीत सभासद सुनीता मिश्रा झूमा सिंह की उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल आयोजन के लिए मुख्य अतिथि ने अखिल भारतीय ब्राह्मण जन कल्याण समिति बलरामपुर की पूरी टीम को धन्यवाद देते हुए कहा यह संगठन लगातार बेहतरीन कार्य कर रही है।

शिक्षा की अलख जगाने निकली छात्राओं की रैली, पूरे शहर में गूंजे जागरूकता के नारे

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। शिक्षा को जन–जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से गेंदघर स्थित पीएम श्री राजकीय बालिका इंटर कॉलेज की छात्राओं ने मंगलवार को जोरदार जागरूकता रैली निकालकर पूरे इलाके में उत्साह का माहौल बना दिया। स्कूल चलो अभियान के तहत निकाली गई इस रैली ने शहरवासियों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। रैली का मुख्य उद्देश्य कक्षा 9 में अधिक से अधिक छात्राओं का नामांकन बढ़ाना, बच्चों को शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ना और अभिभावकों को इसके प्रति जागरूक करना रहा। छात्राओं ने "पढ़ी–लिखी नारी, घर–घर की उजियारी", "हर बच्चे को पढ़ाएंगे, शिक्षा अधिकार हमारा" और "बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ" जैसे जोशीले नारों से माहौल को ऊर्जावान बना दिया। यह रैली विद्यालय परिसर से शुरू होकर गुलामअली पुरा समेत कई वार्डों और प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए पुनः विद्यालय पहुंचकर संपन्न हुई। रास्ते में जगह–जगह अभिभावकों और स्थानीय लोगों ने छात्राओं का स्वागत कर उनका उत्साह बढ़ाया। विद्यालय की प्रधानाचार्य मधु यादव (पी०ई०एस०) ने बताया कि इस अभियान का लक्ष्य हर बच्चे को शिक्षा से जोड़ना और नामांकन बढ़ाना है, जो समाज के सहयोग के बिना संभव नहीं है। वहीं प्रवक्ता प्रतिमा कुमारी ने कहा कि शिक्षा के अधिकार अधिनियम के तहत कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे, इसके लिए विद्यालय लगातार प्रयास कर रहा है। विद्यालय प्रशासन द्वारा अभिभावकों को सरकारी सुविधाओं की भी विस्तृत जानकारी दी गई, जिनमें यूनिफॉर्म, बैग, मध्याह्न भोजन, निशुल्क पुस्तकें, एक्सपोजर विजिट, ब्यूटी वेलनेस कोर्स, 5 किलोमीटर से अधिक दूरी तय करने वाली छात्राओं को ध्6000 वार्षिक सहायता और सैनिटरी पैड हेतु ध्300 की राशि शामिल है। इस मौके पर राबिया अंसारी, कीर्ति गोस्वामी, ममता यादव समेत शिक्षकगण और बड़ी संख्या में अभिभावक मौजूद रहे।

बहराइच में स्वास्थ्य विभाग में बड़ा फेरबदल, 3 वर्ष से अधिक तैनात अधीक्षकों के तबादले

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। जनपद में स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी) पर लंबे समय से तैनात अधीक्षकों एवं प्रभारियों का व्यापक स्तर पर तबादला कर दिया गया है। यह कार्रवाई मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा शासन के निर्देशों के अनुपालन में की गई है। जारी आदेश के अनुसार, ऐसे चिकित्साधिकारी जो तीन वर्ष से अधिक समय से एक ही स्थान पर कार्यरत थे, उन्हें अन्य केंद्रों पर स्थानांतरित किया गया है। कई अधीक्षकों को नए सीएचसी पर भेजा गया है, जबकि कुछ को प्रशासनिक दायित्व भी सौंपे गए हैं। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे तत्काल प्रभाव से अपनी नई तैनाती स्थल पर कार्यभार ग्रहण करें। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि यदि कोई अधिकारी निर्धारित समय में कार्यभार ग्रहण नहीं करता है या स्थानांतरण में बाधा डालने का प्रयास करता है, तो उसके विरुद्ध उत्तर प्रदेश सरकारी सेवा नियमावली एवं अनुशासनात्मक प्रावधानों के तहत कार्रवाई की जाएगी। इसके अतिरिक्त यह भी निर्देश दिया गया है कि अप्रैल 2026 का वेतन संबंधित अधिकारियों को नई तैनाती स्थल पर कार्यभार ग्रहण करने के उपरांत ही प्रदान किया जाएगा। इस प्रशासनिक कदम को स्वास्थ्य सेवाओं में पारदर्शिता और कार्यकुशलता बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

30 दिन में बदलेगी पढ़ाई की तस्वीर

दैनिक बुद्ध का संदेश

पयागपुर/बहराइच। पयागपुर के न्याय पंचायत शिवदहा स्थित प्राथमिक विद्यालय सेवढ़ा में शिक्षक संकुल बैठक आयोजित हुई, जिसमें शैक्षिक गुणवत्ता सुधार के लिए 30 दिन की कार्ययोजना तैयार की गई। बैठक में शिक्षकों को समूहों में बांटकर विषयवार गतिविधि आधारित शिक्षण योजना बनवाई गई। बच्चों के नामांकन, उपस्थिति, बेसलाइन आकलन, ड्रॉपआउट की पहचान और अभिभावकों से संवाद पर विशेष जोर दिया गया। साथ ही खेल, कहानी और नवाचार के माध्यम से बच्चों को विद्यालय से जोड़ने की रणनीति बनाई गई।

दक्षिणांचल की असल जिंदगी से रूबरू हो लौटे छात्र

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। दक्षिणांचल के ग्रामीण जीवन शैली,,पर्यावरण,जैविक खेती, पंचायत ,मनरेगा को लेकर अध्ययन के लिए वाराणसी एनिवेशंट कॉलेज से चार दिवसीय दौरे पर आए छात्रों का दल मंगलवार को वापस लौट गए। दौरे के अंतिम दिन छात्रों ने बनवासी सेवा आश्रम में आयोजित कार्यक्रम में अपना अनुभव रखा और ग्रामीण जीवन को सुकून की जिंदगी बताया।सृजन माहुल, सिद्धार्थ, शिक्षिका प्रभा तान्या, केशव, कनिका, साधना,आदि ने कहा कि किताबों में और असल जिंदगी में ग्रामीण जीवन आज भी अतुलनीय है।लोग कम पैसे और मेहनत से सुकून की जिंदगी जीते है।छात्रों ने सोनांचल को भारत का खूबसूरत और खनिज संपदा वाला जगह बताते हुए कहा कि विकास के मनमानी दौड़ से पर्यावरण के साथ मानव जीवन की ज्यादा नुकसान पहुंचाया है।जिसकी भरपाई संभव नहीं लगता, ।इसके पूर्व छात्रों ने दुद्धी ब्लॉक के करी, मौर्या आदि गावो में पंचायत व्यवस्था,सदस्यों की भूमिका को समझने की कोशिश की।साथ ही आश्रम,में शिव शरण सिंह ने जैविक खेती और जैविक खाद बनाने की जानकारी दी।शुभा प्रेम ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया ।मौके पर मिशन स्मृति के स्टेट समन्वयक पंकज तिवारी,विमल सिंह देवनाथ,सुरेश,प्रेम दयाल, अशोक सिंह,आदि उपस्थित रहे।

होमगाड्र्स भर्ती की लिखित परीक्षा को सकुशल, पारदर्शी एवं नकलविहीन ढंग से सम्पन्न कराने हेतु उच्च स्तरीय गोष्ठी आयोजित

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जनपद में आयोजित होने वाली होमगार्ड्स भर्ती2025 की लिखित परीक्षा को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं नकलविहीन वातावरण में सम्पन्न कराने के उद्देश्य से 21 अप्रैल, 2026 को कलेक्ट्रेट सभागार कक्ष में एक महत्वपूर्ण एवं उच्च स्तरीय गोष्ठी आयोजित की गई। उक्त गोष्ठी पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा, अपर जिलाधिकारी तथा अपर पुलिस अधीक्षक (नगर) अनिल कुमार के नेतृत्व में सम्पन्न हुई, जिसमें परीक्षा से संबंधित समस्त प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों ने प्रतिभाग किया। गोष्ठी में समस्त उप जिलाधिकारी (एसडी), क्षेत्राधिकारी पुलिस (ब), स्टेटिक मजिस्ट्रेट, सेक्टर मजिस्ट्रेट, केन्द्र व्यवस्थापक, अतिरिक्त केन्द्र व्यवस्थापक, केन्द्र प्रभारी पुलिस, जनपदीय कंट्रोल रूम प्रभारी तथा कार्यदायी संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। बैठक के दौरान परीक्षा की तैयारियों की बिंदुवार समीक्षा की गई तथा सभी अधिकारियों को स्पष्ट एवं सख्त दिशा–निर्देश प्रदान किए गए। परीक्षा केन्द्रों पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती, अभ्यर्थियों के प्रवेश एवं निकास की सुव्यवस्थित व्यवस्था, चेकिंग एवं फ्रिस्किंग की प्रभावी व्यवस्था, सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से सतत निगरानी, संवेदनशील एवं अतिसंवेदनशील केन्द्रों पर विशेष सतर्कता तथा यातायात प्रबंधन को प्राथमिकता के साथ सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त गोपनीय सामग्री के सुरक्षित परिवहन, भंडारण एवं वितरण की प्रक्रिया को निर्धारित मानकों के अनुरूप पूर्ण करने पर विशेष बल दिया गया। कोषागार से परीक्षा केन्द्रों तक सामग्री की सुरक्षित आवाजाही, डबल लॉक व्यवस्था, सीसीटीवी निगरानी तथा संबंधित अधिकारियों की व्यक्तिगत उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। जनपदीय कंट्रोल रूम को 24□7 सक्रिय रखते हुए परीक्षा अवधि के दौरान प्रत्येक गतिविधि की सतत मॉनिटरिंग करने तथा किसी भी आकस्मिक स्थिति से त्वरित रूप से निपटने हेतु समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया।

साथ ही सभी अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे आपसी समन्वय बनाए रखते हुए अपने–अपने दायित्वों का निर्वहन पूर्ण सतर्कता, पारदर्शिता एवं जिम्मेदारी के साथ करें। पुलिस अधीक्षक द्वारा स्पष्ट निर्देश दिए गए कि परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही, अनुशासनहीनता अथवा अनियमितता पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध कठोर कार्यवाही की जाएगी। परीक्षा को पूर्णतः नकलविहीन एवं व्यवस्थित ढंग से सम्पन्न कराना सभी संबंधित अधिकारियों की प्राथमिक जिम्मेदारी होगी। गोष्ठी में उपस्थित सभी अधिकारियों ने समन्वित प्रयासों के माध्यम से परीक्षा को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं सफलतापूर्वक सम्पन्न कराने का संकल्प लिया। जनपद पुलिस द्वारा अभ्यर्थियों एवं आमजन से अपील की गई है कि परीक्षा के दौरान यातायात नियमों का पालन करें एवं प्रशासन का सहयोग करें, जिससे परीक्षा प्रक्रिया सुचारु रूप से सम्पन्न हो सके।

महिला सुरक्षा, सशक्तिकरण एवं साइबर अपराधों के प्रति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं सशक्तिकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सोनभद्र पुलिस द्वारा 'मिशन शक्ति 5.0 के दूसरे चरण' के अंतर्गत जनपद में व्यापक एवं प्रभावी जनजागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के कुशल निर्देशन में जनपद के समस्त थाना क्षेत्रों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर समाज के सभी वर्गों को जागरूक किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत महिलाओं एवं बच्चों से संबंधित प्रमुख सामाजिक विषयों जैसे लिंगानुपात, लैंगिक समानता, बाल विवाह, लैंगिक शोषण, महिलाओं एवं बच्चों के प्रति होने वाली हिंसा, साक्षरता एवं स्वास्थ्यकृपर विशेष रूप से प्रकाश डालते हुए जनमानस को जागरूक किया गया। इस क्रम में विद्यालयों, महाविद्यालयों, कोचिंग संस्थानों, बाजारों एवं ग्राम सभाओं में संवाद कार्यक्रम आयोजित कर महिलाओं एवं बालिकाओं को गुड टच–बैड टच, आत्मरक्षा के उपाय, महिला उत्पीड़न से संबंधित विधिक अधिकारों, तथा विभिन्न हेल्पलाइन सेवाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। साथ ही साइबर अपराधों के बढ़ते खतरे को दृष्टिगत रखते हुए ऑनलाइन फ्रॉड, फर्जी कॉल/लिंक, सोशल मीडिया के दुरुपयोग, बैंकिंग धोखाधड़ी एवं ओटीपी साझा न करने के संबंध में विशेष जागरूकता उत्पन्न की गई।

कटौली जंगल में आग से जल गए सैकड़ों पौधे, बांस की कोठी भी खाक

दैनिक बुद्ध का संदेश

नींबू का बगीचा जल कर खाक

म्योरपुर रेंज क्षेत्र के मुरता गांव में लगी आग से किसान दिरपाल सिंह के नींबू के बगीचे में लगी आग से एक बीघा से ज्यादा क्षेत्र में पौधे जल गए पीड़ित ने बताया कि दोपहर में अज्ञात कारणों से लगी आग से सौ से ज्यादा नींबू,आम,कटहल और अन्य फलदार पेड़ जल गए। जिससे भारी नुकसान हुआ है।

सोनभद्र। म्योरपुर बन रेंज के आश्रम मोड़ मनबसा के बीच कटौली के जंगल में सोमवार की शाम अज्ञात कारणों से लगी आग से सैकड़ों सागौन के रोपित पौधे और प्राकृतिक रूप से उगे पौधे जल कर खाक हो गए और बड़े पेड़ पौधे झुलस गए ,देर शाम बन विभाग के प्रयास के बाद भी मंगलवार की सुबह आग पर काबू पाया जा सका, ।इस बीच बांस की कोठी भी आग की चपेट में आ गए जिससे सांप और छोटे जीव जंतु जल गए ।आग की लपट इतनी तेज थी कि उसका धुआं आश्रम मोड़ तक दिख रहा था ।स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि कुछ दबंग और वन भूमि पर कब्जा के फिराक में रहने वाले लोग जंगल में आग लगाते है जिससे जंगल घना न हो सके और आसानी से कब्जा किया जा सके।ग्रामीणों ने मामले की जांच कर ऐसे लोगों के खिलाफ कार्यवाही की मांग की है। रेंजर जबर सिंह यादव ने बताया कि सूचना के बाद आग पर वन कर्मियों ने काबू पा लिया है।

सुपरवाइजर प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। घोरावल नगर स्थित राजकीय इंटर कॉलेज में जनगणना 2026 प्रगणक एवं सुपरवाइजर प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ किया गया है ।सोमवार को प्रथम बैच का प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ हुआ जिसका समापन बुधवार को किया जाएगा जिसमें 574 प्रगणक एवं 9 6 सुपरवाइजर की तैनाती की गई है। प्रशिक्षण चार सत्र में किया जाएगा प्रथम प्रशिक्षण सत्र 20 अप्रैल से प्रारंभ हुआ जिसका समापन 22 अप्रैल को किया जाएगा इसी तरह दूसरा सत्र 23 अप्रैल से प्रारंभ किया जाएगा जिसका समापन 25 अप्रैल को किया जाएगा इसी तरह चार सत्रों में प्रशिक्षण कार्यक्रम रखा गया है जिसमें डिजिटल जनगणना 2026 प्रारंभ 2 2मई से प्रारंभ होकर 20 जून तक चलेगा जिसमें हर घर जनगणना डाटा लिया जाएगा जिसे अपलोड किया जाएगा . इसके पश्चात स्वयं 7 मई से 21 मई तक फीडिंग कार्यक्रम चलेगा।जनगणना के लिए लोगों को आवश्यक सहयोग करने की अपील की गई है तथा जनगणना प्रगणक एवं सुपरवाइजरों को आवश्यक जानकारी दी जा रही है। तहसीलदार प्रवीण कुमार सिंह ने बताया कि यह डिजिटल जनगणना पूरे देश के लिए आवश्यक डाटा फीडिंग किया जा रहा है जो काफी उपयोगी सिद्ध होगा ।प्रशिक्षक के रूप में खंड शिक्षा अधिकारी अरविंद पटेल, राजस्व निरीक्षक अमित कुमार सिंह, दीनबंधु त्रिपाठी, कौसर जहां सिद्दीकी, सरदार भगत सिंह सहित अन्य लोग रहे।

इजरायल ने लड़ाकू विमान से क्यों गिराएं हजारों कागज? भारत भी रह गया हैरान!

ईरान जंग के बीच एक ऐसी तस्वीर आई है जिस पर विश्वास करना मुश्किल है। आप जानते ही हैं कि इजराइल ने ईरान के साथ–साथ अपने पड़ोसी देश लेबनान पर भी हमला कर दिया था। क्योंकि लेबनान में ईरान समर्थित शिया आतंकी संगठन हिजबुल्ला ने इजराइल पर रॉकेट दाग दिए थे। लेकिन उसके बाद इजराइल ने लेबनान में जो किया वह जंग को देखने का पूरा नजरिया ही बदल देगा। लेबनान से ऐसी तस्वीरें आई हैं जो भारत को भी चौका देंगी। इजराइल ने सबसे पहले तो लेबनान से आए रॉकेट्स का बदला लेने के लिए मिसाइल से तबाही मचा दी। उसके बाद इजराइल के लड़ाकू विमान लेबनान घुस गए। लेबनान पहुंचकर इजराइल के लड़ाकू विमानों ने आसमान से हजारों पर्चियां घरों, सड़कों, मोहल्लों और लोगों पर गिरा दी। इन हजारों पर्चियों में लेबनान के आम लोगों के लिए सलाह, नसीहत और चेतावनी लिखी थी। लेबनान के लोगों से कहा गया है कि हिजबुल्ला के आतंकियों का साथ देने की गलती मत करना।

लेबनान में दो तरह की पर्चियां गिराई गई हैं। पहली पर्ची में लेबनान के लोगों से कहा गया है कि हिजबुल्लाह को खत्म करने के लिए इजराइल की मदद करो। अगर किसी के पास हिजबुल्ला के आतंकियों और उनकी लोकेशन के बारे में कोई जानकारी है तो तुरंत इजराइल की खुफिया एजेंसी से संपर्क करें। संपर्क कैसे करना है उसके लिए एक क्यूआर कोड भी दिया गया है। इजराइल ने बताया है कि इस क्यूआर कोड को स्कैन करते ही लेबनान के लोग इजराइल के इंटेलिजेंस ऑफिसर से सीधे बात कर पाएंगे। इजराइल ने यह भी कहा है कि जानकारी देने वाले लोगों की पहचान गुप्त रखी जाएगी।

बहरहाल दूसरी पर्ची में लेबनान के लोगों को सीधी–सीधी चेतावनी दी गई है। इजराइल ने लेबनान के लोगों से कहा है कि हिजबुल्लाह का साथ दिया तो तुम्हारे साथ भी वही होगा जो गाजा में फिलिस्तीनियों के साथ हुआ है। यानी पूर्ण विनाश। आपको बता दें कि इजराइल कई बार गाजा में भी ऐसी पर्चियां गिरा चुका है। फिलिस्तीनियों को प्यार से और धमका के दोनों तरीके से बता चुका है कि अगर हमास का साथ दिया तो तुम्हें भी नहीं बख्शा जाएगा। लेकिन फिलिस्तीनी नहीं माने। आज नतीजा यह हुआ कि गाजा में ना तो हमास दिख रहा है और ना ही फिलिस्तीनी। आतंकियों को खत्म करने के लिए इजराइल जो नए–नए क्रिएटिव तरीके निकाल रहा है।

कांशीराम जयंती पर दी गई श्रद्धांजलि

बाराबंकी। कांशीराम जयंती पर सांसद आवास ओबरी में आयोजित कार्यक्रम में पूर्व सांसद पी.एल. पुनिया ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि कांशीराम ने दलित, पिछड़े और अल्पसंख्यक समाज को संगठित कर उन्हें सत्ता के गलियारों तक पहुंचाने का काम किया। उन्होंने बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर के विचारों को आगे बढ़ाते हुए सामाजिक न्याय की लड़ाई को मजबूत किया। पूर्व सांसद ने कहा कि कांशीराम का मानना था कि जागरूक समाज ही राजनीति में बदलाव ला सकता है और वोट का अधिकार लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत है। इस अवसर पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष मो. मोहसिन, विजयपाल गौतम, आरडी राव, केसी श्रीवास्तव, अजय रावत, अजीत वर्मा, रामहरख रावत, प्रशांत सिंह, कौशल किशोर वर्मा, कमल भल्ला, इरफान कुरैशी सहित कई लोग मौजूद रहे।

ध्यान लगाने से जुड़े इन भ्रमों को सच मानने की न करें गलती, जानें सही जानकारी

ध्यान एक प्राचीन तरीका है, जो मानसिक शांति और आत्म–जागरूकता को बढ़ावा देता है। इसको लेकर कई भ्रम और गलत धारणाएं प्रचलित हैं, जो लोगों को इसके अभ्यास से दूर रखती हैं या गलत दिशा में ले जाती हैं। इस लेख में हम ध्यान से जुड़े 5 प्रमुख भ्रमों को जानेंगे और उनकी सच्चाई को समझेंगे, ताकि आप सही जानकारी के साथ ध्यान का अभ्यास कर सकें और इसके लाभ उठा सकें। भ्रम– केवल धार्मिक लोगों के लिए होता है ध्यान

यह सबसे आम गलतफहमियों में से एक है कि ध्यान करना केवल धार्मिक लोगों के लिए होता है। सच्चाई यह है कि ध्यान एक वैज्ञानिक तरीका है, जो किसी भी व्यक्ति की जीवनशैली में शामिल किया जा सकता है। चाहे आप धार्मिक हों या नहीं, आप ध्यान लगा सकते हैं। यह मानसिक शांति, एकाग्रता और आत्म–जागरूकता बढ़ाने का एक बेहतरीन तरीका है। ध्यान का अभ्यास किसी भी उम्र और पृष्ठभूमि के लोग कर सकते हैं। भ्रम– ध्यान करने के लिए विशेष प्रशिक्षण की होती है जरूरत

कई लोग मानते हैं कि ध्यान करने के लिए विशेष प्रशिक्षण की जरूरत होती है, जबकि ऐसा नहीं है। आप खुद ही सरल तरीकों से ध्यान करना सीख सकते हैं। इंटरनेट पर कई वीडियो और लेख उपलब्ध हैं, जो आपको घर बैठे ही सही तरीके से ध्यान करने की जानकारी दे सकते हैं। इसके अलावा आप किताबें पढ़कर भी ध्यान की तकनीकों को समझ सकते हैं और उन्हें अपने जीवन में शामिल कर सकते हैं। भ्रम– ध्यान करना होता है मुश्किल

ध्यान से जुड़ा एक और सामान्य भ्रम यह है कि इसे करना बहुत मुश्किल होता है। सच्चाई यह है कि शुरूआत में थोड़ी परेशानी हो सकती है, लेकिन नियमित अभ्यास से इसमें महारत हासिल की जा सकती है। बस आपको धैर्य रखना होगा और धीरे–धीरे इसे अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाना होगा। ध्यान का अभ्यास जितना ज्यादा करेंगे, उतनी ही आसानी से आप इसे कर पाएंगे और इसके फायदों का आनंद ले सकेंगे। भ्रम– ध्यान करने से आती है नींद

यह भी एक गलत धारणा है कि ध्यान करने से नींद आती है। वास्तव में ध्यान एक ऐसी प्रक्रिया है, जो आपके मन को शांत करती है और आपको अधिक सतर्क बनाती है। सही समय पर और सही तरीके से किया गया ध्यान आपको बेहतर नींद देता है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि इसे करने से तुरंत नींद आ जाएगी। ध्यान करने से आपकी नींद की गुणवत्ता बेहतर होती है और आप अधिक तरोताजा महसूस करते हैं। भ्रम– ध्यान करने से दिमाग हो जाता है खाली

ध्यान से जुड़ा एक भ्रम यह भी है कि ध्यान करने पर दिमाग खाली हो जाता है। वास्तव में ध्यान का मतलब है अपने विचारों को नियंत्रित करना, न कि उन्हें पूरी तरह से खत्म करना। इससे आप अधिक स्पष्टता और फोकस प्राप्त करते हैं। इन सभी भ्रमों को समझकर हम देख सकते हैं कि कैसे ये हमारे मानसिक स्वास्थ्य पर असर डालते हैं और हमें सही जानकारी प्राप्त करने से रोकते हैं।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रकः– श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स , ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट–हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद–सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादक– राजेश कुमार शर्मा
आर.एन.आई. नं.–UPHIN/2012/49458 9415163471, 9453824459 दैनिक बुद्ध का संदेश 9795951917,9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन समस्त विवाद जनपद–सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

क्यों हुई थी गुलशन कुमार की हत्या ? राम गोपाल वर्मा ने खोला 90 बॉलीवुड का काला सच

90 के दशक का बॉलीवुड आज की तरह चमक–धमक वाला नहीं, बल्कि अंडरवर्ल्ड के काले साये में लिपटा हुआ था। हाल ही में फिल्म निर्माता राम गोपाल वर्मा ने क्राइम राइटर एस. हुसैन जैदी के साथ बातचीत में उस दौर की कड़वी सच्चाइयों को फिर से कुरेदा है।

राम गोपाल वर्मा के अनुसार, उस समय अंडरवर्ल्ड का मकसद सिर्फ पैसा कमाना नहीं, बल्कि बॉलीवुड पर अपना पूर्ण नियंत्रण और वर्चस्व स्थापित करना था। आरजीवी ने बताया कि अंडरवर्ल्ड की कार्यशैली काफी सोची–समझी होती थी। वे किसी छोटे कलाकार को नहीं, बल्कि इंडस्ट्री के सबसे प्रभावशाली लोगों को अपना निशाना बनाते थे।

राम गोपाल वर्मा ने कहा, जब अंडरवर्ल्ड को अपनी ताकत दिखानी होती है, तो वे राकेश रोशन, सलमान खान और शाहरुख खान जैसे बड़े नामों को चुनते हैं। अंडरवर्ल्ड का एक सीधा मंत्र थारू ष्एक को मारो, दस से उगाही करो।ष खौफ पैदा करने के लिए ये गैंगस्टर्स किसी भी हद तक जा सकते थे, ताकि बाकी लोग बिना सवाल किए उनकी बात मान लें।

साल 2000 में फिल्म श्कहो ना... प्यार हैश की ब्लॉकबस्टर सफलता ने रितिक रोशन को रातों–रात सुपरस्टार बना दिया था। आरजीवी के अनुसार, इसी सफलता ने उनके पिता राकेश रोशन को मुसीबत में डाल दिया। गैंगस्टर्स एक फिल्म प्रोजेक्ट केलिए रितिक रोशन की डेट्स पर अपना नियंत्रण चाहते थे, जिसे कथित तौर पर छोटा शकील का सपोर्ट हासिल थश।

आरजीवी ने दावा किया, जब राकेश रोशन ने इन मांगों के आगे झुकने से इनकार कर दिया, तो 21 जनवरी 2000 को उनके ऑफिस के बाहर उन पर जानलेवा हमला हुआ। वे इस हमले में बाल–बाल बचे, लेकिन इस घटना ने पूरी फिल्म इंडस्ट्री की रीढ़ हिला दी थी।

संगीत की दुनिया के बेताज बादशाह गुलशन कुमार की 1997 में हुई हत्या बॉलीवुड के इतिहास का सबसे काला अध्याय माना जाता है। आरजीवी ने इस पर चर्चा करते हुए कहा कि गुलशन कुमार की बढ़ती सफलता और अंडरवर्ल्ड के आगे न झुकने की उनकी जिद ही उनकी मौत का कारण बनी।

राम गोपाल वर्मा ने कहा, अबू सालेम जैसे गैंगस्टर्स अपनी साख बनाने की होड़ में थे। गुलशन कुमार ने जबरन वसूली की मांगों को ठुकरा दिया था, जिसे गैंगस्टर्स ने अपनी बेइज्जती समझा। आरजीवी ने उस दिन को याद करते हुए बताया कि जब उन्हें यह खबर मिली, तो पूरी इंडस्ट्री सुन्न हो गई थी।

राम गोपाल वर्मा, जिन्होंने श्सत्याश, श्कंपनीश और श्डीश जैसी कल्ट क्लासिक फिल्में बनाई हैं, स्वीकार करते हैं कि उनकी फिल्मों की कई कहानियां और किरदार इन्हीं वास्तविक अनुभवों और अंडरवर्ल्ड की गतिविधियों से प्रेरित थे।

तमन्ना भाटिया की लव लाइफ : विराट कोहली से विजय वर्मा तक, कब–कब जुड़ा मिल्की ब्यूटी का नाम!

भारतीय सिनेमा की श्मिल्की ब्यूटीश कही जाने वाली तमन्ना भाटिया ने न केवल अपनी बेहतरीन अदाकारी और खूबसूरती से दर्शकों का दिल जीता है, बल्कि उनकी निजी जिंदगी भी अक्सर चर्चा का विषय रही है। करीब दो दशकों के करियर में तमन्ना का नाम कई बड़ी हस्तियों के साथ जुड़ा। आइए जानते हैं तमन्ना भाटिया के उन चर्चित रिश्तों के बारे में जिन्होंने खूब सुर्खियां

बटोरीं।

साल 2012 में तमन्ना भाटिया का नाम भारतीय क्रिकेटर विराट कोहली के साथ जोड़ा गया था। दोनों ने एक मोबाइल ब्रांड के विज्ञापन में साथ काम किया था। खबरों की मानें तो शूटिंग के दौरान दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ीं और उन्होंने कुछ समय तक एक–दूसरे को डेट किया।

एक समय सोशल मीडिया पर तमन्ना भाटिया और पाकिस्तानी क्रिकेटर अब्दुल रज्जाक की एक तस्वीर जमकर वायरल हुई थी, जिसमें वे एक ज्वेलरी शॉप में नजर आ रहे थे। इसके बाद कयास लगाए जाने लगे कि दोनों शादी करने वाले हैं।

तमन्ना ने इन खबरों का कड़ाई से खंडन किया था। उन्होंने स्पष्ट किया कि वे केवल एक स्टोर के उद्घाटन के लिए वहां गई थीं। यह महज एक अफवाह साबित हुई।

साल 2018–19 के दौरान ऐसी खबरें उड़ीं कि तमन्ना एक अमेरिकी डॉक्टर के साथ रिलेशनशिप में हैं और जल्द ही शादी के बंधन में बंधने वाली हैं।

तमन्ना ने ट्विटर (अब ग) पर एक पोस्ट के जरिए इन खबरों को आधारहीन बताया। उन्होंने साफ किया कि वे फिलहाल अपनी सिंगल लाइफ एन्जॉय कर रही हैं और किसी डॉक्टर को डेट नहीं कर रही हैं।

तमन्ना भाटिया अभिनेता विजय वर्मा के साथ एक सीरियस रिलेशनशिप में थीं। दोनों की लव स्टोरी श्लस्ट स्टोरीज 2श के सेट से शुरू हुई। इस फिल्म के लिए तमन्ना ने अपने करियर का 18 साल पुराना श्नो किसिंग क्लॉजश भी तोड़ दिया था।

दोनों ने साल 2023 में अपने रिश्ते को सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया। तमन्ना ने विजय को अपना श्हैप्पी प्लेसश बताया है। दोनों अक्सर वैकेशन और इवेंट्स में साथ देखे गए हैं। फैंस को लगा कि तमन्ना को लाइफ पार्टनर मिल गया, लेकिन दोनों की राहें जुदा हो गईं।

दोनों ने इस बारे में कोई बात नहीं की, लेकिन माना जाता है कि तमन्ना से शादी के लिए विजय अपने आपको तैयार नहीं मान रहे थे और यह बात दोनों के रिश्ते के टूटने का कारण बनी।

उर्वशी रौतेला की जवानी और परफेक्ट बॉडी का राजरू जानें क्या है उनका डाइट और वर्कआउट प्लान

बॉलीवुड की सबसे फिट अभिनेत्रियों में से एक, उर्वशी रौतेला अपनी खूबसूरती और शानदार फिगर के लिए जानी जाती हैं। उनकी फिटनेस जर्नी बहुत से लोगों के लिए प्रेरणा है। उर्वशी का मानना है कि फिटनेस सिर्फ शारीरिक बनावट के लिए नहीं, बल्कि मानसिक शांति और स्वास्थ्य के लिए भी बहुत जरूरी है। आइए जानते हैं उनके फिटनेस और डाइट प्लान के कुछ खास रहस्य

उर्वशी रौतेला अपने वर्कआउट को लेकर काफी गंभीर हैं। वह हफ्ते में 4 से 5 दिन जिम जाती हैं और हर दिन 1 से 1.5 घंटा एक्सरसाइज करती हैं। उनका वर्कआउट सिर्फ जिम तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसमें डांस और योग भी शामिल है।

उर्वशी वेट ट्रेनिंग और कोर एक्सरसाइज पर खास ध्यान देती हैं। वे अपने ट्रेनर के साथ पावर ट्रेनिंग, कंडीशनिंग ट्रेनिंग और डड। ट्रेनिंग करती हैं। इसके अलावा, वह अपनी कैलोरी बर्न करने के लिए कार्डियो और किकबॉक्सिंग को भी अपने रूटीन में शामिल करती हैं।

उर्वशी योग की बहुत बड़ी फॉलोअर हैं। वह मानती हैं कि योग शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए बहुत जरूरी है। वे प्राणायाम, सूर्य नमस्कार और वृश्चिकासन जैसे कठिन आसन भी करती हैं। वृश्चिकासन को वो अपनी बिकनी बॉडी का राज बताती हैं।

फिटनेस को मजेदार बनाने के लिए उर्वशी डांस करती हैं। उन्हें बेली और जुम्बा डांस बहुत पसंद है, जो उन्हें फिट और एक्टिव रहने में मदद करता है।

उर्वशी बास्केटबॉल प्लेयर भी रह चुकी हैं और अपनी फिटनेस के लिए आज भी खेलती रहती हैं।

उर्वशी रौतेला का डाइट प्लान बहुत ही सादा और संतुलित है। वह जंक और ऑयली फूड से दूर रहती हैं और घर का बना खाना पसंद करती हैं। उनकी न्यूट्रिशनिस्ट श्वेता शाह के अनुसार, उर्वशी दिन में सिर्फ 3 बार मील लेती हैं।

सुबह का नाश्ता (ठतमांिजि)रू उर्वशी अपने दिन की शुरुआत कभी भी बिना नाश्ते के नहीं करतीं। उनके नाश्ते में अक्सर पोहा, उपमा, मुसली, अंडे का सफेद भाग (ूपजम चंतज) और मल्टीग्रेन ब्रेड शामिल होते हैं। इसके साथ ही वे भीगे हुए बादाम और ताजे फल भी खाती हैं।

दोपहर का खाना (स्नदबी)रू दोपहर के खाने में वे दाल, रोटी, ब्राउन राइस और हरी सब्जियां लेती हैं। प्रोटीन के लिए वे कभी–कभी फिश या चिकन भी खाती हैं।

रात का खाना (क्पददमत)रू उर्वशी जल्दी डिनर करने में विश्वास रखती हैं, आमतौर पर शाम 6 से 7 बजे के बीच। रात के खाने में वे पनीर, पराठा, चीला या रोल्स जैसे भोजन लेना पसंद करती हैं।

उर्वशी अपनी स्किन और सेहत के लिए हाइड्रेशन पर भी बहुत ध्यान देती हैं। वह दिनभर में खूब पानी पीती हैं और कभी–कभी नारियल पानी भी लेती हैं। इसके अलावा, वह मिंट और धनिया का जूस भी अपनी डाइट में शामिल करती हैं, जिसे वे अपनी ग्लोइंग स्किन का राज मानती हैं। यह जूस शरीर को डिटॉक्स करने और ताजगी बनाए रखने में मदद करता है।

उर्वशी रौतेला की फिटनेस का राज सिर्फ जिम में पसीना बहाना नहीं, बल्कि एक अनुशासित जीवनशैली अपनाना है। उनका संतुलित आहार, नियमित वर्कआउट और योग का अभ्यास उन्हें शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत रखता है। अगर आप भी उनकी तरह फिट और स्वस्थ रहना चाहते हैं, तो उनकी इन आदतों को अपना सकते हैं।

शाहरुख खान कैसे 60 साल के होने के बावजूद दिखते हैं जवान, जानें उनकी फिटनेस का राज

बॉलीवुड के "किंग खान" शाहरुख खान आज भी अपने फिट लुक और एनर्जेटिक पर्सनैलिटी से साबित करते हैं कि उम्र सिर्फ एक संख्या है। उन्होंने खुद कई इंटरव्यू में बताया है कि उनकी फिटनेस का फॉर्मूला बेहद सरल है, कड़ा मशीनी व्यायाम या जटिल डाइट नहीं बल्कि अनुशासन, संतुलित भोजन और नियमित वर्कआउट।

शाहरुख खान का डाइट प्लान दिखने में सरल है लेकिन परिणाम शानदार। उन्होंने बताया है कि वे अक्सर दो बार भोजन करते हैं। लंच और डिनर, बीच में स्नैक्स नहीं। उनका कहना है कि वे बेहद भारी पकवान नहीं पसंद करते। उनके भोजन में स्प्राउट्स, ग्रिल्ड चिकन, ब्रोकली, दाल जैसी चीजें शामिल रहती हैं।

इसके अलावा, व्हाइट ब्रेड, व्हाइट राइस और ज्यादा तेल–घी वाले व्यंजनों से काफी हद तक परहेज़ करते हैं। दिन में कभी–कभी उन्हें सिर्फ एक मीट–अप जैसे "वन मील ए डे (व्ड।क)" का विकल्प मिल जाता है, जब शूटिंग शेड्यूल बहुत तंग हो जाता है।

शाहरुख खान का वर्कआउट प्लान भी बहुत लंबा नहीं है, लेकिन बेहद नियमित और स्मार्ट है। उनके ट्रेनर के अनुसार वे लगभग 30 मिनट से 45 मिनट का वर्कआउट करते हैं, अक्सर देर रात या सुबह बहुत देर तक काम के बाद। वर्कआउट में कार्डियो, सर्किट ट्रेनिंग और स्ट्रेंथ ट्रेनिंग का मिश्रण होता है, जैसे गॉब्लेट स्क्वाट्स, जम्पिंग लंजेस, वॉल सिट्स, डंबल प्रेस, लैट पुल डाउन आदि।

विशेष रूप से यह ध्यान देने योग्य है कि उनका वर्कआउट टाइम भी थोड़ा अलग है। अक्सर 2–3 बजे रात में या शूटिंग के बाद घर लौटकर। इस तरह का रूटीन बेहद असाधारण लगता है, लेकिन शाहरुख इसे अपने व्यस्त शेड्यूल में फिट कर लेते हैं।

वर्षों से शाहरुख खान ने यह सीख लिया है कि फिट रहने के लिए केवल व्यायाम और भोजन ही काफी नहीं, बल्कि मानसिक दृढ़ता और नियमितता भी बहुत जरूरी है। उन्होंने स्वयं स्वीकारा है कि वे देर रात तक काम करते हैं, सोने का वक्त भी अजीब है। जब जमाना जागता है तब वे सोने जाते हैं, अक्सर 5 सुबह बजे। लेकिन इसके बावजूद अपनी फिटनेस बनाए रख पाना उनके समर्पण का प्रमाण है।

उनका मानना है कि व्यायाम को जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए, न कि सिर्फ जरूरत पड़ने पर। साथ ही उन्होंने कहा है कि उन्होंने कभी फैंसी डाइट या ट्रेंडिंग वर्कआउट प्लान्स को अंधविश्वास की तरह नहीं अपनाया है, बल्कि उन्होंने अपनी बॉडी, अपने शेड्यूल और अपनी ज़रूरतों के अनुसार साधारण लेकिन असरदार तरीका अपनाया है।

अगर आप शाहरुख खान की तरह फिट दिखना चाहते हैं, तो उनसे सीखने योग्य कुछ बातें हैं। पहला, अत्यधिक जटिल नियम नहीं बल्कि अपने शरीर और शेड्यूल के अनुकूल सरल रूटीन चुनें। दूसरा, नियमितता बनाए रखें, चाहे समय अनियमित हो, लेकिन छोटा वर्कआउट भी निरंतर करने से असर दिखता है। और तीसरा, भोजन में संतुलन रखें, बहुत ज्यादा व्यंजन वाले भारी मेनू से बचें, पोषण–संपन्न सरल भोजन अपनाएं।

शाहरुख खान का यह उदाहरण साबित करता है कि उम्र और व्यस्त शेड्यूल फ़िटनेस के सामने बाधा नहीं हैं। उन्होंने अपनी लाइफस्टाइल और फैसलों से यह दिखाया है कि अनुशासन, स्थिरता और संतुलित रूटीन से किसी भी उम्र में जवान दिखा जा सकता है।

खुशी बड़े पलों में नहीं, छोटी–छोटी बातों में छिपी हैं" मेघा शर्मा का लाइफ मंत्र वायरल

टीवी शो 'साजन घर' में नजर आ रहीं एक्ट्रेस मेघा शर्मा का कहना है कि वक्त के साथ उनकी जिंदगी को देखने का नजरिया पूरी तरह बदल गया है। जहां पहले खुशी का मतलब बड़े अचीवमेंट्स और लगातार एक्साइटमेंट हुआ करता था, वहीं अब उनके लिए सच्ची खुशी छोटी–छोटी बातों में छिपी है। मेघा मानती हैं कि आज की तेज रफ्तार जिंदगी में लोग हमेशा कुछ पाने की दौड़ में लगे रहते हैं, चाहे वह पैसा हो, सफलता हो या परफेक्शन। लेकिन इस भागदौड़ में हम खुद को और इस पल को जीना भूल जाते हैं। उनका मानना है कि कभी–कभी खुद को यह याद दिलाना जरूरी होता है कि "मैं काफी हूं और यह पल ही काफी है।"

मेघा शर्मा का कहना है कि असली खुशी बड़े माइलस्टोन में नहीं, बल्कि रोजमर्रा के छोटे–छोटे पलों में मिलती है। उनके लिए परिवार के साथ समय बिताना, एक कप चाय के साथ शांति से बैठना या दिनभर की थकान के बाद थोड़ा आराम करना ही असली सुकून है। वे मानती हैं कि अक्सर हम इन छोटी खुशियों को नजरअंदाज कर देते हैं, जबकि यही पल हमें मानसिक रूप से रिचार्ज करते हैं और जिंदगी को संतुलित बनाए रखते हैं।

फिटनेस को लेकर भी मेघा शर्मा की सोच में बड़ा बदलाव आया है। पहले जहां फिटनेस का मतलब सिर्फ अच्छा दिखना था, अब वह इसे महसूस करने से जोड़ती हैं। उनका मानना है कि असली फिटनेस वही है, जिसमें आपके पास पूरे दिन के लिए एनर्जी हो और आप मानसिक रूप से मजबूत महसूस करें। उनके अनुसार, फिट रहना सिर्फ बॉडी नहीं बल्कि माइंड का भी खेल है।

मेघा शर्मा अपने रूटीन को बहुत सिंपल रखना पसंद करती हैं। वह खासतौर पर घर का बना खाना खाने में विश्वास रखती हैं, क्योंकि उनके अनुसार यही आदत उन्हें बचपन से स्वस्थ रखती आई है। वे यह भी कहती हैं कि आजकल लोग बिना सोचे–समझे ट्रेंड्स को फॉलो करने लगते हैं, जबकि जरूरी यह है कि हम समझें कि हमारे लिए क्या सही है।

आज के समय में बढ़ते स्क्रीन टाइम और बिजी शेड्यूल को देखते हुए मेघा सलाह देती हैं कि जीवन में छोटे–छोटे बदलाव अपनाने चाहिए। जैसे दिनभर में छोटे ब्रेक लेना, थोड़ा मूव करना या सोने से पहले फोन से दूरी बनाना, ये छोटी आदतें आपकी लाइफ में बड़ा बदलाव ला सकती हैं। उनका कहना है कि इन आदतों को अपनाकर कोई भी व्यक्ति बेहतर लाइफस्टाइल पा सकता है।

मेघा शर्मा का मानना है कि आज के दौर में लोग नींद को हल्के में लेने लगे हैं, जबकि यह हमारी सेहत के लिए बेहद जरूरी है। नींद की कमी न सिर्फ मूड को प्रभावित करती है बल्कि ओवरऑल हेल्थ पर भी असर डालती है। वे कहती हैं कि मोटिवेशन हर दिन नहीं आता, लेकिन अगर आपके पास अनुशासन है, तो आप हर हाल में अपने रूटीन को निभा सकते हैं।

आखिर में मेघा शर्मा यही कहती हैं कि खुशी कोई ऐसी चीज नहीं है जो भविष्य में बड़े अचीवमेंट्स के साथ आएगी। वह तो पहले से ही हमारे आसपास मौजूद है, बस हमें उसे पहचानना सीखना होगा। उनका साफ संदेश है– "खुश होने के लिए किसी बड़े मौके का इंतजार मत करो, क्योंकि खुशी तो हर दिन, हर छोटे पल में मौजूद है।"